RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 25 | अंक : 341 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 07 दिसंबर, 2023 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

2024 के लिये 'मोदी मंत्र'

भारत को 2047 तक विकसित बनाना है : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत के बाद आज भाजपा की संसदीय दल की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जैसे ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहुंचे सभी सांसदों ने मोदी-मोदी के नारे लगाकर उनका स्वागत किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री को शॉल ओढाकर तथा फूलों का हार पहनाकर उनका अभिनंदन किया। संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सांसदों को मोदी मंत्र देते हुए कहा कि सभी सांसद देश की विकास यात्रा से जुड़ जाएं और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए कड़ी मेहनत करें।

बीजेपी संसदीय दल की बैठक के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि यह पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का नतीजा है कि बीजेपी ने तीन राज्यों में भारी जीत हासिल की। पीएम ने सभी के काम की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि 22 दिसंबर से 25 जनवरी तक सभी बीजेपी सांसदों और मंत्रियों को विकास भारत संकल्प यात्रा में हिस्सा लेना है। पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी ने छत्तीसगढ़, राजस्थान और एमपी के साथ मिजोरम और तेलंगाना में अपनी ताकत कई गुना बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि सभी सांसद आगे की तैयारियों में जुट जाएं और विश्वकर्मा योजना सहित अन्य योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं। क्षेत्र में जाकर लाभार्थियों से संपर्क करें और उन्हें सरकार के विजन के बारे में बताएं।

बीजेपी संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री द्वारा कही गई बातों की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता प्रह्लाद जोशी ने कहा कि पीएम मोदी ने आज एक दिलचस्प तथ्य साझा किया- सरकार में रहते हुए जब कांग्रेस पार्टी को राज्यों में 40 बार चुनाव का सामना करना पड़ा, तो उसे केवल सात बार सफलता मिली। जबकि, भारतीय जनता पार्टी 39 बार दोबारा जनादेश मांगने का मौका मिला और 22 बार सफलता मिली है।

प्रह्लाद जोशी ने कहा कि पीएम ने आह्वान किया कि केवल चार जातियां मौजूद हैं- महिलाएं, युवा, किसान और गरीब, और हमें उनके समग्र विकास के लिए काम करना होगा।

भाजपा के संसदीय दल की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल समेत भाजपा के केंद्रीय मंत्री और सांसद पहुंचे।

गाजियाबाद की पप्पू कॉलोनी में बुझ गए तीन घरों के चिराग

सड़क हादसे में तीन युवकों की दर्दनाक मौत

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद के शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र की पप्पू कॉलोनी में एक साथ तीन घरों के चिराग बुझ गए। सड़क हादसे में दो किशोर व एक युवक की मौत के बाद पप्पू कॉलोनी में मातम छा गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बाबूगढ़ छावनी जनपद हापुड़ से एक बाइक पर सवार होकर तीन लोग गाजियाबाद की पप्पू कॉलोनी आ रहे थे। देर रात एक कार चालक ने तेज रफ्तार से कार चलते हुए रास्ते में उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की बाइक के परखच्चे उड़ गए। कार चालक मौके पर कार को छोड़कर फरार हो गया। हादसे के दौरान दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि एक युवक को दिल्ली के लिए रेफर किया गया मगर उसने भी रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इस दर्दनाक हादसे में पप्पू कॉलोनी निवासी आकाश (27 वर्ष), शिव (15 वर्ष) तथा भानु (17 वर्ष) की मौत हो गई है। सड़क हादसे में मारे गए दो लोगों का पोस्टमार्टम पुलिस ने बाबूगढ़ में कराया है जबकि एक किशोर का पोस्टमार्टम गाजियाबाद में किया गया है।

आकाश का है 2 साल का बेटा

इस दर्दनाक हादसे के बाद गाजियाबाद की पप्पू कॉलोनी में मातम पसरा हुआ है। एक साथ तीन लोगों की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया है। सड़क हादसे में जान गंवाने वाले आकाश का 2 वर्ष का बेटा है। उसकी पत्नी का इस हादसे के बाद से रो रो कर बुरा हाल है। वहीं 2 वर्ष का मासूम घर में मचे कोहराम से सहमा हुआ है। शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देने के लिए आने वाला हर कोई मासूम को दुलार रहा है।

एक्सप्रेसवे पर सड़क किनारे खड़ी बोलेरो बनी काल, जीजा-साली की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर सड़क किनारे खड़ी बोलेरो पिकअप बाइक सवार जीजा-साली के लिए काल साबित हुई। बीती रात्रि बाइक पर जा रहे जीजा साली सड़क किनारे खड़ी बोलेरो पिकअप से टकरा गए इस हादसे में दोनों की दर्दनाक मौत हो गई।

थाना सेक्टर-142 प्रभारी विनीत राणा ने बताया कि बीती रात्रि पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर 145 मेट्रो स्टेशन के सामने नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर सड़क किनारे खड़ी बोलोरो पिकअप से तेज गति में आ रही बाइक टकरा गई है। इस हादसे में एक युवक और महिला गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस घायलों को तुरंत फेलिक्स अस्पताल लेकर पहुंची। फेलिक्स अस्पताल में घायल कुलदीप पुत्र हाकिम सिंह निवासी अलीगढ़ की मौत हो गई। जबकि किरण की गंभीर स्थिति को देखते हुए परिजन उसे कैलाश अस्पताल लेकर पहुंचे। उपचार के दौरान किरण ने भी दम तोड़ दिया।

थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कुलदीप अपनी साली किरण के साथ नोएडा से परी चौक की तरफ जा रहा था। बाइक की गति तेज होने के कारण उसकी बाइक अनियंत्रित (शेष पृष्ठ-3 पर)

सरकार को हर दिन लगा रहे थे डेढ़ करोड़ का चूना

फर्जी कंपनियां बनाकर जीएसटी रिटर्न लेने वाला गिरोह पकड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। फर्जी फॉर्म बनाकर हजारों करोड रुपए का जीएसटी का फ्रॉड करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को थाना सेक्टर-20 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से बड़ी संख्या में फर्जी दस्तावेज, मोबाइल फोन व अन्य सामान बरामद हुआ है। पकड़े गए आरोपी फर्जी कंपनियां बनाकर फर्जी ई-वे बिल के जरिए जीएसटी रिफंड लेकर सरकार को राजस्व का चूना लगा रहे थे।

नोएडा जोन के डीसीपी हरिश्चंद्र ने बताया कि थाना सेक्टर-20 पुलिस पूर्व में पकड़े गए जीएसटी फ्रॉड के आरोपियों के मामले की पड़ताल कर रही थी। इस दौरान पुलिस को कुछ अन्य लोगों द्वारा भी जीएसटी फ्रॉड किए जाने का इनपुट मिला। सूचना के आधार पर एसीपी रजनीश वर्मा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। इस टीम ने दिल्ली से पियूष गुप्ता ,राकेश शर्मा, दिलीप व राहुल निगम को गिरफ्तार कर लिया। (शेष-3 पर)

आज सशस्त्र सेना झंडा दिवस

सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर आज कर्नल कपिल कत्याल (अ0प्रा0) ने नोएडा पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह को प्रतीक चिन्ह लगाया। इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह द्वारा भारतीय सशस्त्र बल के वीर सैनिकों को सशस्त्र सेना झंडा दिवस-2023 की हार्दिक शुभकमनाएं भी दी गई।

छत से गिरकर घायल बच्ची ने दम तोड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। निठारी गांव में खेलने के दौरान तीसरी मंजिल से गिरकर घायल हुई बच्ची ने उपचार के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। बच्ची की मौत के बाद से उसके परिजन गमगीन है।

मूल रूप से पश्चिम बंगाल निवासी गोपाल सरकार अपने परिजनों के साथ निठारी गांव में किराए पर रह रहा है। बीते 5 दिसंबर की शाम को उसकी साढ़े तीन साल की बेटी लक्ष्मी सरकार तीसरी मंजिल पर खेल रही थी। खेल-खेल में वह तीसरी मंजिल से नीचे जमीन पर आ गिरी। गंभीर स्थिति में परिजन बच्ची को उपचार के लिए सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। बच्ची की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे दिल्ली के अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। उपचार के दौरान बीती देर रात बच्ची ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर स्पीड लिमिट घटी, धुंध में सड़क हादसे होंगे कम !

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा से आगरा जाने वाले यमुना एक्सप्रेस-वे को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। दिसंबर से फरवरी के बीच ठंड के मौसम में पड़ने वाली धुंध में वाहन चालकों की सुरक्षा को देखते हुए यमुना एक्सप्रेस-वे पर स्पीड लिमिट कम करने का फैसला लिया गया है।

नोएडा से आगरा तथा आगरा से लखनऊ (शेष पृष्ठ-3 पर)

60 से 75 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी रफ्तार

यमुना एक्सप्रेस-वे पर स्पीड लिमिट को कम करते हुए 60 से 75 किलोमीटर प्रतिघंटा की लिमिट तय की गई है। यमुना एक्सप्रेस-वे पर अब हल्के वाहनों को अधिकतम 75 किलोमीटर प्रति घंटा तक स्पीड में चलने की अनुमति होगी। जबकि भारी वाहनों के लिए स्पीड लिमिट को 60 किमी प्रतिघंटा तक किया गया है।

लाल परी के नशे में दी चोरी की झूठी सूचना

नोएडा (चेतना मंच)। लाल परी (शराब) का नशा दो युवकों के सर ऐसा चढ़ा कि उन्होंने नशे में पुलिस को बाइक व स्कूटी चोरी होने की सूचना दे दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर जांच पड़ताल की। पुलिस की पड़ताल में चोरी की दोनों सूचनाए झूठी निकली। थाना फेस वन पुलिस ने चंद घंटे के अंतराल में ही बाइक व स्कूटी को बरामद कर लिया। पुलिस अब झूठी सूचना देने वाले युवकों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है।

थाना प्रभारी ध्रुव भूषण दुबे ने बताया कि बीती रात्रि सेक्टर-3 डी ब्लॉक स्थित एक कंपनी में रहने वाले शुभम चौहान ने डॉयल-112 पर सूचना दी कि कंपनी के बेसमेंट में खड़ी उसकी स्कूटी चोरी हो गई है। सूचना के आधार पर गोल चक्कर चौकी प्रभारी सुनील यादव मौके पर पहुंचे और मामले की जांच पड़ताल की। जांच पड़ताल के दौरान पुलिस (शेष पृष्ठ-3 पर)

छत्तीसगढ़ में जीत पर ओम माथुर को दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा ने पूर्ण बहुमत हासिल किया है। भाजपा की इस शानदार जीत के लिए छत्तीसगढ़ के प्रभारी ओमप्रकाश माथुर की भूमिका भी काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उप्र के पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर ने छत्तीसगढ़ में जीत हासिल करने पर प्रभारी ओम माथुर को बधाई दी।

छत्तीसगढ़ के प्रभारी ओम प्रकाश माथुर के दिल्ली स्थित आवास पर पहुंचकर पूर्व मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता नवाब सिंह नागर एवं प्रदेश सह मीडिया प्रभारी किसान मोर्चा अमित त्यागी ने छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाने के लिए उन्हें बधाई दी।

नवरत्न फाउंडेशन ने शुरू किया शीत कवच अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा शहर की प्रमुख सामाजिक संस्था नवरत्न फाउंडेशन ने सर्दियों की शुरुआत होते ही अपना शीत कवच अभियान शुरू कर दिया है। इस अभियान के तहत स्लम बस्तियों में रहने वाले आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को गर्म स्वेटर संस्था द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे। संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष शीत कवच अभियान चलाकर जरूरतमंद बच्चों को स्वेटर वितरित किए जाते हैं। नवरत्न फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने बताया कि आज शाम को संस्था द्वारा सेक्टर-8 स्थित नवरत्न ज्ञानपीठ तथा सेक्टर-9 स्थित दिव्य तरंग फाउंडेशन में पढ़ने वाले बच्चों को स्वेटरों का वितरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा इस वर्ष 2000 बच्चों को स्वेटर वितरित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। संस्था द्वारा पिछले 20 वर्षों के दौरान विभिन्न विद्यालयों में करीब 32000 बच्चों को स्वेटरों का वितरण किया गया है। आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को ठंड से बचाने के लिए संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष शीत कवच अभियान चलाया जाता है। उन्होंने बताया कि इस अभियान (शेष पृष्ठ-3 पर)

स्टील की अल्मारी में ठूंसकर भरी नोटों की गड्डियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयकर विभाग ने उड़ीसा और झारखंड में छापेमारी के दौरान स्टील की अल्मारी में भरी हुई नोटों की गड्डियां बरामद की हैं। अब तक रेड में लगभग 50 करोड़ रूपये बरामद हो चुके हैं और नोटों की गिनती भी जारी है।

आयकर विभाग के सूत्रों के मुताबिक ओडिशा और झारखंड में बौध डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड पर छापे मारे गए। कंपनी से जुड़े परिसरों से भारी मात्रा में करेंसी नोट बरामद हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार ओडिशा के बोलांगीर और संबलपुर और झारखंड के रांची, लोहरदगा में तलाशी चल रही है। अब तक 50 करोड़ रुपये तक के नोटों की गिनती पूरी हो चुकी थी, लेकिन नोटों की संख्या इतनी अधिक होने के कारण मशीनों ने काम करना बंद कर दिया।

रेड के दौरान बड़े पैमाने पर करेंसी मिलने से आयकर विभाग के अधिकारी भी हैरान हैं। संबंधित कंपनी के खिलाफ आयकर विभाग की यह कार्यवाही पूरे देश में चर्चा का विषय बनी हुई है।

ईवीएम को कोसना

ये कुंठित और घिसे-पिटे आरोप हैं। चुनावी जनादेश के बाद मतदान की ईवीएम को कोसना विपक्ष की फितरत रही है। उसके आरोप रहे हैं कि ईवीएम में चिप का इस्तेमाल किया जाता है, लिहाजा उसे 'हैक' किया जा सकता है। ऐसी दलीलें दी जाती रही हैं मानो देश भर की ईवीएम में भाजपा घुस कर बैठी है और वह जनादेश को पलट देती है। यह हमारे लोकतंत्र और करोड़ों मतदाताओं का अपमान भी है। दिसंबर, 1998 में 'जनप्रतिनिधित्व कानून' में संशोधन किया गया था और बैलेट पेपर के स्थान पर ईवीएम के जरिए मतदान करने की व्यवस्था लागू की गई थी। उसके बाद 2004 का लोकसभा चुनाव सबसे महत्वपूर्ण था, जिसमें करीब 17.5 लाख ईवीएम का इस्तेमाल किया गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 'भारत उदय' नारे के बावजूद भाजपा चुनाव हार गई और कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष का गठबंधन बना-यूपीए। मई, 2014 तक उसने दो सत्ता-काल देखे। उस दौरान ईवीएम से ही मतदान कराए गए। कहीं विपक्ष जीता, तो कहीं भाजपा की सत्ता आई। आज भी देश के 18 राज्यों में भाजपा-एनडीए और 13 राज्यों में कांग्रेस, वाममोर्चा और साथी दलों की सरकारें हैं। हाल ही में तेलंगाना में कांग्रेस को जनादेश ईवीएम के जरिए ही प्राप्त हुआ है। राज्य के नए, कांग्रेसी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी बने हैं। इसके पहले कर्नाटक और हिमाचल में कांग्रेस जीती थी और वहां उसकी सरकारें काम कर रही हैं। जिन राज्यों-मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान-में कांग्रेस अब पराजित हुई है, वहां 2018 में उसे ही, ईवीएम के जरिए, जनादेश हासिल हुए थे। अब कांग्रेस नेताओं के अलावा, सपा, बसपा और नेशनल कॉन्फ्रेंस आदि विपक्षी दलों ने भी ईवीएम में 'भाजपा के भूत' होने की कुंठित दलीलें दी हैं। विरोध सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है, बल्कि द्रमुक सांसद सेंथिल कुमार ने लोकसभा में ही बयान देकर जनादेश को 'उत्तर बनाम दक्षिण' करने की मंशा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भाजपा हिंदी पट्टी के 'गौमूत्र' वाले राज्यों में ही चुनाव जीतती है। हालांकि इस कथन को लोकसभा की कार्यवाही के रिकॉर्ड से बाहर कर दिया गया है, लेकिन यह अपमान कौन सहेगा? द्रमुक के नेताओं ने ही 'सनातन' के समूल नाश की बात कही थी और उसकी तुलना एड्स और कोढ़ जैसी बीमारियों से की थी। क्या ऐसी गालियां देना राजनीति के लिए जरूरी है? द्रमुक विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का ही घटक-दल है। कांग्रेस के कई नेताओं ने द्रमुक सांसद के ऐसे बयान की भर्त्सना की है। माफी मांगने के आग्रह भी किए गए। अंततः सांसद को माफी मांगनी पड़ी, लेकिन ऐसा भाजपा-विरोध देश की 'विविधता में एकता' संस्कृति का अपमान और उल्लंघन है। सवाल है कि क्या ऐसी विभाजक राजनीति के जरिए ही 2024 का आम चुनाव जीता जा सकता है? क्या यह विभाजनकारी मानसिकता ही विपक्ष का नया राजनीतिक एजेंडा है? क्या देश में गौ, गंगा, गायत्री, गीता का अपमान बर्दाश्त किया जा सकता है? लोकतंत्र में जनादेश ही अंतिम निर्णय है। वह जनता का निर्णायक रुख है। उसी के आधार पर देश में, राज्यों में, उत्तर-दक्षिण-पूर्व-पश्चिम में सत्ताएं तय होती रही हैं। जहां तक ईवीएम का प्रश्न है, तो उससे जुड़े विवाद सर्वोच्च अदालत तक जा चुके हैं। चुनाव आयोग ने भी सर्वदलीय निमंत्रण दिया था और मशीन में गड़बड़ी निकालने की चुनौती दी थी। उसे विपक्ष ने स्वीकार क्यों नहीं किया? अब भी संशय में डूबा विपक्ष या उनका कोई भी प्रतिनिधि उचित मंच में ईवीएम को चुनौती दे सकता है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है, लिहाजा विपक्ष की गुत्थियों को सुलझाया जाएगा। ऐसे हर पराजित जनादेश के बाद अनर्गल अलाप करना व्यर्थ और बेमानी है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि सनकादि मुनियों को आते देखकर श्री रामचंद्रजी ने हर्षित होकर दंडवत किया और स्वागत (कुशल) पूछकर प्रभु ने (उनके) बैठने के लिए अपना पीताम्बर बिछा दिया॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

कीन्ह दंडवत तीनिउँ भाई। सहित पवनसुत सुख अधिकाई॥
मुनि रघुपति छबि अतुल बिलोकी। भए मगन मन सके न रोकी॥

फिर हनुमानजी सहित तीनों भाइयों ने दंडवत की, सबको बड़ा सुख हुआ। मुनि श्री रघुनाथजी की अतुलनीय छबि देखकर उसी में मग्न हो गए। वे मन को रोक न सके॥

स्यामल गात सरोरुह लोचन। सुंदरता मंदिर भव मोचन॥
एकटक रहे निमेष न लावहिं। प्रभु कर जोरें सीस नवावहिं॥

वे जन्म-मृत्यु (के चक्र) से छुड़ाने वाले, श्याम शरीर, कमलनयन, सुंदरता के धाम श्री रामजी को टकटकी लगाए देखते ही रह गए, पलक नहीं मारते और प्रभु हाथ जोड़े सिर नवा रहे हैं॥

तिन्ह कै दसा देखि रघुबीरा। स्त्रवत नयन जल पुलक सरीरा॥
कर गहि प्रभु मुनिबर बैठारे। परम मनोहर बचन उचारे॥

उनकी (प्रेम विह्वल) दशा देखकर (उन्हीं की भाँति) श्री रघुनाथजी के नेत्रों से भी (प्रेमाश्रुओं का) जल बहने लगा और शरीर पुलकित हो गया। दतनन्तर प्रभु ने हाथ पकड़कर श्रेष्ठ मुनियों को बैठाया और परम मनोहर वचन कहे-॥

आजु धन्य मैं सुनहु मुनीसा। तुम्हरें दरस जाहिं अघ खीसा॥
बड़े भाग पाइब सतसंगा। बिनहिं प्रयास होहिं भव भंगा॥

हे मुनीश्वरो! सुनिए, आज मैं धन्य हूँ। आपके दर्शनों ही से (सारे) पाप नष्ट हो जाते हैं। बड़े ही भाग्य से सत्संग की प्राप्ति होती है, जिससे बिन ही परिश्रम जन्म-मृत्यु का चक्र नष्ट हो जाता है॥

दो0-संत संग अपबर्ग कर कामी भव कर पंथ।
कहहिं संत कबि कोबिद श्रुति पुरान सदग्रंथ॥

संत का संग मोक्ष (भव बंधन से छूटने) का और कामी का संग जन्म-मृत्यु के बंधन में पड़ने का मार्ग है। संत, कवि और पंडित तथा वेद, पुराण (आदि) सभी सद्ग्रंथ ऐसा कहते हैं॥

(क्रमशः...)

बाबा बालकनाथ के जरिए कई संदेश देना चाहती है भाजपा

राजस्थान में विधानसभा चुनावों से पहले सबसे बड़ा सवाल था कि रिवाज बदलेगा या राज? जनता ने राज बदल कर रिवाज कायम रखा और इस बार सत्ता की बागडोर भाजपा को सौंप दी। भाजपा के हाथ में सत्ता की कमान आने के बाद अब पार्टी को फैसला करना है कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा? देखा जाये तो पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री पद की प्रबल दावेदार हैं लेकिन आलाकमान के रुख को देख कर लगता नहीं कि उन्हें इस बार सरकार का नेतृत्व करने का अवसर मिलेगा। वसुंधरा राजे जिस तरह पांच साल विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए घर से नहीं निकलीं और अंतिम समय में कुर्सी की चाहत रख रही हैं वह जनता को भी नहीं भा रहा है। इस बीच, राजस्थान में नए मुख्यमंत्री को लेकर जारी कयासों के बीच भाजपा के राज्य प्रभारी अरुण सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री के संबंध में पार्टी के संसदीय बोर्ड का फैसला सभी को मान्य होगा।

दूसरी ओर, नवनिर्वाचित विधायकों का पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से मिलना जारी है, जिसे शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है। वसुंधरा राजे खेमे के नेताओं ने दावा किया है कि अब तक लगभग 68 विधायक उनके आवास पर उनसे मिल चुके हैं। हम आपको बता दें कि राज्य में विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 199 सीटों में से 115 पर जीत हासिल की है। राजस्थान में अटकलें तो ऐसी भी हैं कि वसुंधरा राजे से अपने अच्छे राजनीतिक रिश्ते स्वीकार कर चुके निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जरूरत पड़ने पर कांग्रेस विधायकों का समर्थन वसुंधरा राजे को दिलवा सकते हैं। लेकिन वसुंधरा भाजपा से बगावत करेंगी, ऐसी संभावनाएं बेहद कम हैं। हम आपको यह भी बता दें कि भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे 2003 से 2008 और 2013 से 2018 तक दो बार राजस्थान की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। 2018 में भाजपा की हार और पार्टी के भीतर बदले हालात के बाद ऐसा माना जाने लगा था कि वसुंधरा राजे को किनारे कर दिया गया है। पहले के चुनावों में वह मुख्यमंत्री का चेहरा थीं लेकिन इस विधानसभा चुनाव में पार्टी ने ऐसी कोई घोषणा नहीं की तथा पार्टी के चुनाव चिन्ह 'कमल' और प्रधानमंत्री मोदी के नाम को आगे कर चुनाव लड़ा।

> ***राजस्थान के राजनीतिक परिदृश्य को सही मायने में देखा जाए तो विधानसभा चुनाव के नतीजों में कुछ भी नया नहीं है। तीन दशक से राजस्थान में हर पांच साल में सरकार को घर बिठाने की परंपरा रही है। एक बार कांग्रेस तो दूसरी बार बीजेपी।***

हम आपको बता दें कि फिलहाल मुख्यमंत्री पद की दौड़ में अलवर के सांसद और तिजारा से विधानसभा चुनाव जीते बाबा बालकनाथ सबसे आगे चल रहे हैं। बाबा बालकनाथ के व्यक्तित्व का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी हाल में उनके एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। यही नहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बाबा बालकनाथ के नामांकन के समय आये थे और उनके समर्थन में जनसभा को भी संबोधित किया था। यही नहीं, योग गुरु बाबा रामदेव तथा देश के कई प्रमुख संतों ने राजस्थान विधानसभा चुनावों के दौरान जनता से बालकनाथ को चुनाव जिताने की अपील की थी। देखा जाये तो सांसद बालकनाथ को उतार कर तिजारा विधानसभा सीट जीतने की जो रणनीति भाजपा ने बनाई थी वह सफल रही। अब माना जा रहा है कि भाजपा बालकनाथ को राजस्थान की कमान सौंप कर विपक्ष को कई संदेश भी देना चाहती है।

देखा जाये तो अशोक गहलोत की सरकार के दौरान राजस्थान में तुष्टिकरण की राजनीति को जिस तरह बढ़ावा दिया गया उसके चलते रामनवमी और अन्य हिंदू त्योहारों पर दंगे और उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड जैसी घटनाएं देखने को मिलीं। धार्मिक प्रवृत्ति वाले इस शांत प्रदेश से लगातार अशांति की जो खबरें आईं वह देश के लिए भी चिंता का विषय बनीं इसीलिए भाजपा एक संत को कमान सौंपने पर विचार कर रही है। दूसरा, जिस तरह विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने सनातन धर्म पर लगातार हमले किये उसकी काट के लिए एक संत को कमान सौंप कर भाजपा देश भर के हिंदुओं को भी संदेश देना चाहती है कि एक तरफ कुछ लोग सनातन धर्म पर हमला कर रहे हैं तो दूसरी ओर भाजपा सत्ता की कमान संतों को दे रही है। इसके अलावा जिस तरह भाजपा के हिंदुत्व एजेंडे की काट के लिए अन्य पार्टियों के नेता भी चुनावों के दौरान मंदिर मंदिर जाते हैं उसको देखते हुए भी भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि हिंदुत्व की राह पर चलने वाली असली और मूल पार्टी वही है।

भगवा पर हो रहे राजनीतिक हमलों को देखते हुए भाजपा भगवा को ही राजस्थान की राजनीति की कमान सौंपने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इसके अलावा बालकनाथ मूल रूप से यादव समाज से आते हैं जोकि ओबीसी श्रेणी में आता है। विपक्ष के नेता जाति जनगणना और ओबीसी का मुद्दा आजकल खूब उठा रहे हैं इसीलिए बालकनाथ का नाम आगे बढ़ाकर भाजपा विपक्ष के सारे अभियान की हवा निकाल देना चाहती है।

इन सब वजहों से महंत बालकनाथ इस समय मुख्यमंत्री की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं। जहां तक उनके व्यक्तिगत परिचय की बात है तो आपको बता दें कि उनका जन्म 16 अप्रैल 1984 को कोहरणा गांव के एक किसान परिवार में हुआ था। उन्होंने साढ़े छह साल की उम्र में संन्यास अपना लिया था और घर छोड़ कर आश्रम चले गये थे। बाल्यकाल में बाबा खेतानाथ ने उनका नाम गुरुमुख रखा था। वह 1985-1991 तक मत्स्येंद्र महाराज आश्रम में रहे थे उसके बाद वह महंत चांदनाथ के साथ हनुमानगढ़ जिले के नाथावली थेरी गांव में एक मठ में चले गए थे। बालकनाथ नाथ सम्प्रदाय के आठवें मुख्य महंत भी हैं। उल्लेखनीय है कि नाथ संप्रदाय में गोरख पीठ को इस संप्रदाय का अध्यक्ष माना जाता है और रोहतक की पीठ को उपाध्यक्ष। इस नाते बालकनाथ नाथ संप्रदाय के आठवें महंत माने जाते हैं। वह एक तरह से योगी आदित्यनाथ के गुरु भाई भी हैं। हम आपको बता दें कि महंत चांदनाथ ने 29 जुलाई 2016 को बालकनाथ को अपने उत्तराधिकारी के रूप में घोषित किया था। उस समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और योग गुरु बाबा रामदेव ने भी भाग लिया था। महंत बालकनाथ सांसद और विधायक होने के अलावा समाज सुधारक, वक्ता व आध्यात्मिक गुरु भी हैं। वह बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के चांसलर भी हैं।

हमेशा भगवा वस्त्र पहनने वाले और आध्यात्मिक छवि वाले बाबा बालकनाथ की गिनती भाजपा के फायर ब्रांड नेताओं में होती है। वह खुलकर हिंदुत्व की बात करते हैं और जब वह विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन भरने आये थे और चुनावों के लिए प्रचार कर रहे थे तब कई बार वह बुलडोजर से गये थे और अपराधियों को तीन दिसंबर तक प्रदेश छोड़ने की चेतावनी दे दी थी। हम आपको बता दें कि राजस्थान विधानसभा चुनावों के दौरान विभिन्न सर्वेक्षणों में भी बाबा बालकनाथ मुख्यमंत्री पद के लोकप्रिय दावेदार बनकर उभरे थे।

बहरहाल, बाबा बालकनाथ के राजस्थान का मुख्यमंत्री बनने की बढ़ती हुई संभावनाओं को देखते हुए संत समाज में खुशी की लहर है। आल इंडिया अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी महाराज और निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर ललितानंद गिरी महाराज ने कहा है कि बाबा बालकनाथ की छवि सिर्फ राजस्थान में ही नहीं बल्कि पूरे देश में बहुत अच्छी है। यदि वह मुख्यमंत्री बनते हैं तो इससे समाज में एक अच्छा संदेश जायेगा। लगभग ऐसी ही प्रतिक्रियाएं देश के अन्य प्रमुख संतों की ओर से भी आ रही हैं।

-नीरज कुमार दुबे

जनसंख्या : समस्या अथवा वरदान

जनसंख्या के लिहाज से भारतवर्ष विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश है। आबादी के आकार की बात करें तो हमारा देश अमरीका, इंडोनेशिया, ब्राजील, पाकिस्तान, बांग्लादेश और जापान की सम्मिलित आबादी के बराबर है और पिछले 10 वर्षों में हमारे देश की जनसंख्या में एक पूरे देश ब्राजील की जनसंख्या और जुड़ गई है। जनसंख्या बढने का मतलब है कि हमें ज्यादा लोगों के शिक्षा के साधन, रोजगार, खाना और रहने के लिए मकान चाहिएं। हमारे देश में बहुत सी समस्याएं हैं, जनसंख्या की समस्या उनमें से बहुतों का मूल है, पर यह भी सच है कि ज्यादा आबादी के कारण आज हम लाभ की स्थिति में भी हैं। भारतवर्ष में 15 वर्ष से 59 वर्ष के लोगों की वृद्धि का अनुपात आबादी की वृद्धि के अनुपात से अधिक है और यह स्थिति 2030 तक बने रहने की उम्मीद है। यह वह आबादी है जो काम में लगी है अथवा काम में लगाई जा सकती है। ऐसी जनसंख्या वाला भारत एकमात्र विकासशील देश है। आज हमारे सामने सवाल यह है कि जनसंख्या के इस वर्ग को काम में लगाकर हम इसे अपने लिए वरदान बना लेंगे या फिर राजनेताओं की थोथी बयानबाजी और अपनी खुद की लापरवाही, अकर्मण्यता तथा अज्ञान के कारण बढ़ती आबादी को अपने लिए अभिशाप बना लेंगे तथा वर्तमान से भी ज्यादा गरीबी तथा साधनहीनता की स्थिति में पहुंच जाएंगे। हमारे सामने यह एक बड़ी चुनौती है, और यही एक बड़ा अवसर भी है।

फ्रेंच पोलिटिकल साइंटिस्ट क्रिस्टोफर ज्रैफरेलो दक्षिण-पश्चिम एशिया मामलों के विशेषज्ञ हैं और भारत-पाकिस्तान पर उनकी खास पकड़ है। उनकी संपादित पुस्तक 'इंडिया सिंस 1950 = सोसाइटी, पॉलिटिक्स, इकोनोमी एंड कल्चर' में भारत का राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक विश्लेषण किया गया है। इसी पुस्तक के अध्याय 'इंडिया 2025' के अनुसार भारतवर्ष उभरती अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक संभावनाओं वाला देश है। यहां न सिर्फ राजनीतिक स्थिरता है, बल्कि यहां लोकतंत्र के साथ बाजार आधारित अर्थव्यवस्था भी है। हालांकि भारत की विकास दर यदा-कदा ही दोहरे अंक तक पहुंच सकी है, लेकिन पिछले दस वर्षों से यह 7-8 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। जीडीपी के लिहाज से 2025 तक हमारा देश अमरीका और चीन के बाद तीसरा सबसे बड़ा देश

बन जाएगा। बचत और निवेश की अच्छी दर का भी भारत को लाभ मिलेगा और सन 2030 तक देश की उत्पादकता भी बढ़ती रहने के संकेत हैं। विद्वानों का मानना है कि उत्पादकता बढने के पांच मुख्य कारण हैं। एक, अर्थव्यवस्था में कृषि की जगह उद्योग और सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी में बढ़ोत्तरी, दो विश्व अर्थव्यवस्था में भारतीय कंपनियों की बढ़ती हिस्सेदारी, तीन बैंकिंग सेक्टर का आधुनिकीकरण, चार आईटी टूल्स का बढ़ता इस्तेमाल और पांच, संचार व परिवहन के साधनों का विकास। क्या भारतीय अर्थव्यवस्था इसी रफ्तार से आगे बढ़ सकती है? अगर हां, तो आने वाले वर्षों में इसके क्या सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक परिणाम होंगे? एक चुनौती तो स्पष्ट रूप से बढ़ती असमानता है। यह असमानता सिर्फ सामाजिक स्तर पर नहीं, बल्कि भौगोलिक स्तर पर भी है। ग्रामीण भारत आगे नहीं बढ़ रहा है। इससे ग्रामवासियों में शहरी मध्यवर्ग के मुकाबले गहरी हताशा पैठ सकती है और यह असंतोष माओवादियों अथवा ऐसे ही अन्य संगठनों के पक्ष में जा सकता है। हमारी चुनौती यह है कि आबादी को हम बोझ न बनने दें, बल्कि उसे परिसंपत्ति में परिवर्तित कर दें। माना जाता है कि भारत की आबादी इक्कीसवीं सदी के मध्य तक चीन को पार कर डेढ़ अरब हो जाएगी। साल 2025 तक कामकाजी वर्ग की आबादी में 25 करोड़ लोगों का इजाफा होगा। इसका अर्थ है कि भारत अन्य देशों के मुकाबले में युवा रहेगा और शायद वेतन भी कम रखने की स्थिति में होगा। इस वर्ग को परिसंपत्ति बनाने के लिए हमें शिक्षा सुविधाओं का तेज विकास करना होगा और नए रोजगार पैदा करने होंगे। हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि शिक्षा ऐसी हो जिससे कृषक वर्ग भी लाभान्वित हो सके। आबादी में हर साल एक करोड़ सत्तर लाख लोगों के जुडने का मतलब है कि खाद्य सुरक्षा में आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें कृषि उत्पादन में सालाना 4 से 4.5 प्रतिशत तक की वृद्धि सुनिश्चित करनी होगी। उड़ीसा, गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक में पिछले दस वर्षों में कृषि उत्पादन गिरा है। राष्ट्रीय स्तर पर गेहूं और चावल का उत्पादन स्थिर हो गया है। इससे प्रति व्यक्ति अनाज और दालों की उपलब्धता घटी है। इस स्थिति को बदलने की आवश्यकता है। कमजोर इन्फ्रास्ट्रक्चर एक अहम अड़चन है। सडकों और रेलों के आधुनिकीकरण की आवश्यकता है। ऊर्जा की स्थिति और भी संकटपूर्ण है। कोयले और तेल की बढ़ती खपत का संकट अलग से है।

परिणामस्वरूप बिजली की कटौती जारी रहने की आशंका है। ऐसे में बढ़ती आबादी का बड़ा हिस्सा बेरोजगार, अर्धशिक्षित अथवा अशिक्षित तथा साधनहीन होगा। इस स्थिति को न बदला गया तो बढ़ती आबादी सचमुच अभिशाप बन जाएगी। स्थिति को बदलने के लिए सबसे पहले कस्बों और गांवों में इन्फ्रास्ट्रक्चर के तेज विकास के लिए काम करना होगा, उनके लिए स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवानी होंगी तथा उन्हें रोजगारपरक उद्यमिता की शिक्षा देनी होगी। कंज्यूमर गुड्स कंपनियों को आज ग्रामीण भारत में बड़ा बाजार नजर आ रहा है। इस बाजार को बढ़ाने के लिए यहां इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास में योगदान उनके अपने हित में है। विभिन्न सरकारें भी इस ओर ध्यान दें तो समाज में असमानता नहीं होगी तथा सामाजिक विघटन का खतरा नहीं रहेगा। हमारी अधिकांश आबादी कामकाजी होगी तो गरीबी मिटेगी, देश समृद्ध होगा और उसके कारण भी इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास होगा। यह एक ऐसा सार्थक चक्र होगा जो देश को विकास की नई दिशा देगा और हमें विकसित देश बनने में मददगार साबित होगा। अगर हमने ऐसा न किया तो यह आबादी अभिशाप बन जाएगी, स्लम एरिया बढ़ेगा, चोरियां, हत्याएं और सभी तरह के अपराध बढ़ेंगे, गांवों का विकास नहीं होगा और शहरों का जीवन असुरक्षित हो जाएगा। हमें याद रखना चाहिए कि गरीबी और विकास के बीच चुनाव हमें करना है, परिणाम भी हम ही भुगतेंगे। बढ़ती जनसंख्या को रोकना होगा।

-पीके खुराना

राशिफल

कार्तिक शुक्ल पक्ष-दशमी | (विक्रम संवत् 2080)

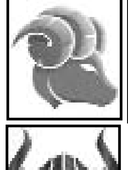

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
शारिरिक और मानसिक परेशानी आपको परेशान करेगी। प्रेम और संतान में दूरी बनी रहेगी।

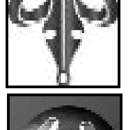

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
सरकारी तंत्र से कुछ परेशानी का अनुभव करेंगे। पिता के स्वास्थ्य में थोड़ी कठिनाइयों का सामना होगा।

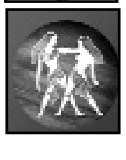

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
स्वास्थ्य नरम- गरम। प्रेम- संतान की स्थिति ठीक- ठाक। व्यापारिक दृष्टिकोण से अच्छा समय कहा जा सकता है।

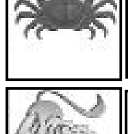

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
परेशानियों वाला समय। दुर्घटना का समय। बहुत बचकर पार करिए। स्वास्थ्य अच्छा नहीं दिख रहा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
अपने स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रेम- संतान भी मध्यम है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
शत्रु परास्त करने वाला होगा लेकिन परेशान रहेंगे। स्वास्थ्य में भी नरम- गरम रहेगा। प्रेम- संतान की स्थिति मध्यम है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
मानसिक कलेश का समय। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू- तू, मैं- मैं संभव है। स्वास्थ्य करीब- करीब ठीक रहेगा।

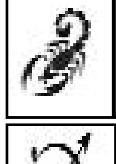

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी पर खलल पड़ेगा। स्वास्थ्य मध्यम।

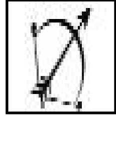

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
कंधे में परेशानी या नाक, कान, गले में परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य मध्यम है। प्रेम- संतान की स्थिति ठीक है।

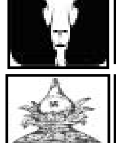

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
जुबान विवादस्पद हो सकती है। जुआ, सट्टा लॉटरी में नुकसान संभव है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा लेकिन मुख रोग के शिकार हो सकते हैं।

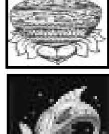

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
कभी खुश रहेंगे तो कभी अवसादग्रस्त रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम- संतान की स्थिति अच्छी है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
मन परेशान रहेगा। बच्चों की सेहत को लेकर के और दूरी को लेकर मन परेशान रहेगा। प्रेम से भी कुछ अटपटी खबर मिल सकती है।

यमुना प्राधिकरण ने की किसानों की सुनवाई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। यमुना प्राधिकरण में एसआईटी के अध्यक्ष एवं सीईओ डॉ अरुणवीर सिंह की अध्यक्षता में कल ग्राम तुसियाना तुगलपुर और सैनी गांव के मामलों की सुनवाई की गई। कुल प्रकरण 17 थे सभी प्रकरणों में किसानों के तर्क सही पाए गए और पूर्व में एसआईटी द्वारा भेजी गई रिपोर्ट हर मामले में गलत साबित हो रही है।

एसआईटी अध्यक्ष ने सभी मामलों को सुनकर तथ्य परक रिपोर्ट भेजने का आश्वासन दिया है। इसी सिलसिले में बुधवार को दोपहर 2 बजे सादोपुर गांव के 45 प्रकरणो में आबादियों की सुनवाई की गई। आबादियों की सुनवाई प्राधिकरण बोर्ड रूम में संपन्न की गई।

किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर सचिव बिजेंद्र नागर उपाध्यक्ष गवरी मुखिया महासचिव जगबीर नंबरदार किसान सभा के अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा के नेतृत्व में सुनवाई संपन्न हुई सुनवाई एसीईओ अमनदीप डूली ने की। बादलपुर गांव की सुनवाई अगले बुधवार को तय की गई है।

दीदी की रसोई ट्रस्ट ने किया भंडारे का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। दीदी की रसोई ट्रस्ट ने सेक्टर–17 में भंडारे का आयोजन किया।

इस अवसर पर दीदी की रसोई ट्रस्ट की अध्यक्ष व समाजसेविका रितु सिन्हा, ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि हमारी संस्था लगातार गरीब जरूरतमंद लोगों की सेवा में लगी रहती है और संस्था की ओर से अलग–अलग स्थानों पर प्रतिदिन गरीब जरूरतमंद लोगों, बच्चों को भोजन का वितरण किया जाता है ।

प्रोमिस भाटी का हुआ चयन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कैमराला गांव निवासी प्रोमिस भाटी का एसएससी सीजीएल–2023 में ऑल इण्डिया रैंक 695 (ओबीसी) प्राप्त कर केंद्रीय सचिवालय सेवा (सीएसएस) में असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर के पद पर चयन हुआ है।

उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने दादा स्वं चरण सिंह की प्रेरणा और मार्ग दर्शन को दिया है।

प्रोमिस ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जयपुर से बीटेक की डिग्री सन 2022 में प्राप्त की थी। प्रोमिस शुरू से ही मेधावी छात्र रहे हैं। इन्होंने पूर्व में एनडीए समेत कई परीक्षा पास की है।

भाजपा ने किया गोष्ठी का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के जिला इकाई के कार्यकर्ताओं ने भाजपा जिला कार्यालय तिलपता गोलचक्कर एवं सूरजपुर मंडल ग्रेटर नोएडा बिसरख बादलपर जारचा दादरी नगर दादरी देहात दनकोर ज़ेवर रबुपुरा कासना मंडल में बाबा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के महा परिनिर्वाणदिवस पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने कहा कि भारत रत्न बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर प्रसिद्ध शिक्षाविद भारतीय संविधान के निर्माता महान समाज सुधारक थे। जिन्होंने शोसित व वंचित वर्ग के सामाजिक उत्थान के लिये कार्य किये।

इस अवसर पर मुख्यरूप से ज़िला महामंत्री दीपक भारद्वाज मनोज गर्ग धर्मेन्द्र कोरी ज़िला उपाध्यक्ष सुनील भाटी बिजेंद्र प्रमुख पवन नागर जिला मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य रवि जिन्दल जिलामंत्री सत्यपाल शर्मा गुरुदेव भाटी अमित पंडित इन्द्र नागर कपिल गुर्जर सुनील खारी अर्पणा त्रिपाठी संगीता रावल अशोक रावल विजय रावल आदि दर्जनो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपाईयों ने मनाई डा. अंबेडकर की पुण्यतिथि

भदोही। भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने कल बाबा भीमराव अंबेडकर के पुण्यतिथि पर प्राथमिक विद्यालय जोरई में पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी।

जिला अध्यक्ष ने कहा कि बाबा भीमराव अंबेडकर एक ऐसे व्यक्ति रहे थे जिन्होंने संविधान की संरचना की और उसकी मजबूत नींव रखी।

जिला अध्यक्ष ने कहा कि 6 दिसंबर 1992 को भारतीय जनता पार्टी ने विवादित ढांचा गिरा दिया गया था। हिंदू संगठन और सनातन धर्म के लोग इसे सौर दिवस के रूप में भी मनाते हैं। बाबा भीमराव अंबेडकर एक निष्ठावान व्यक्ति रहे। उन्होंने हर क्षेत्र के समाज के लोगों को लेकर चलने की क्षमता प्रदान की।

इस अवसर पर ओम प्रकाश पांडेय वीरू शुक्ला छत्रपति सिंह गोवर्धन राय सत्यसिल गुप्ता राजकुमार गौड़ गोरेलाल पांडे सिराज अख्तर पूनम गुप्ता कपिल मिश्रा शिवम रमेश सोनकर सोनू वर्मा मोनू शर्मा आशुतोष पांडेय आदि वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर का 68वाँ महापरिनिर्वाण दिवस मनाया

प्रयागराज (ब्यूरो)। उत्तर मध्य रेलवे, मुख्यालय के अरावली सभाकक्ष में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का 68वाँ महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज सतीश कुमार ने सर्वप्रथम बाबा साहब को श्रद्धांजली अर्पित की। तत्पश्चात अपर महाप्रबंधक सी.पी.गुप्ता, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी अनुराग त्रिपाठी, सहित सभी विभागाध्यक्षों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि देकर श्रद्धांजली अर्पित की।

इस अवसर पर महाप्रबंधक सतीश कुमार ने बाबा साहब की जीवनी पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बाबा साहब के जीवन से हमें प्रेरणा मिलती है। वो हमको अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा सच्चाई का अनुसरण कर समाज सेवा के लिए प्रेरित करते हैं। बाबा साहब के आदेशों एवं निर्देशों का अनुपालन करना ही बाबा साहब के प्रति सच्ची श्रद्धांजली होगी। अन्य वक्ताओं में दिनेश कुमार, जोनल सचिव, अखिल भारतीय रेल कर्मचारी अनुसूचित जाति/जनजाति एसोसिएशन ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने विचार रखते हुए उन्हें नवजागरण का अग्रदूत, समतामूलक समाज का निर्माणकर्ता और आधुनिक भारत का शिल्पकार बताया।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

FPTA स्टॉल का हुआ उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर में प्रारंभ हुए पेपर मर्चेंट्स की प्रदर्शनी पेपरेक्स 2023 के हॉल नंबर 12 में FPTA स्टॉल का उदघाटन किया गया। FPTA स्टॉल का उद्घाटन FPTA अध्यक्ष दिलीप बिंदल ने फीता काटकर किया। इस मौके पर FPTA के उपाध्यक्ष पदमचंद जैन तथा पेपर मर्चेंट एसोसिएशन नोएडा के अध्यक्ष अमित अग्रवाल तथा FPTA की सचिव भवेश, अनुज गुप्ता समेत कई पेपर व्यवसाय से जुड़े व्यापारी तथा अन्य गण मान्य लोग मौजूद थे।

पृष्ठ एक के शेष....

एक्सप्रेसवे पर सड़क...

होकर सड़क किनारे खड़ी बोलेरो पिकअप से टकरा गई थी। बोलोरो पिकअप चालक हरे राम ने अपनी गाड़ी सड़क किनारे साइड पर खड़ी कर रखी थी। हादसे की जानकारी मिलने पर मृतकों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाने के बाद शवों को परिजनों को सौंप दिया है। थाना प्रभारी के मुताबिक बोलोरो पिकअप को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। इस संबंध में मृतकों के परिजनों द्वारा अभी कोई तहरीर नहीं दी गई है।

वहीं थाना कासना क्षेत्र के कस्बे में बुधवार को ट्रक की चपेट में आकर जान गंवाने वाले युवक की पहचान एटा निवासी गौरव पुत्र फकीरे लाल के रूप में हुई है। गौरव गुरुवार को कस्बे में पैदल जा रहा था। इस दौरान ट्रक ने उसे टक्कर मार दी थी। इस हादसे में गौरव ट्रक के पिछले पहिए के नीचे आ गया था उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी।

सरकार को हर...

इनके पास से फर्जी दस्तावेज फर्जी कंपनियां के बिल, बैंक पासबुक सहित अन्य कागजात बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह फर्जी कंपनियां बनाकर फर्जी बिलों के जरिए जमा कराए गए जीएसटी को रिफंड ले लेते थे।

डीसीपी ने बताया कि पकड़े गए आरोपी पूरे सुनिश्चित तरीके से इस फर्जीवाड़े को अंजाम दे रहे थे। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि इस गिरोह का सरगना निशांत है जिसकी तलाश की जा रही है। निशांत के इशारे पर ही पकड़े गए आरोपी इस फर्जीवाड़े को अंजाम दे रहे थे। पकड़े गए चारों आरोपियों की फर्जीवाड़े में अलग–अलग जिम्मेदारी तय थी। जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी प्रतिदिन एक से डेढ़ करोड़ रुपए राजस्व का चूना लगा रहे थे। आरोपी पिछले कई वर्षों से इस फर्जीवाडे में संलिप्त थे। प्रारंभिक जांच में 300 से अधिक फर्जी कंपनियों की जानकारी मिली है। अभी और अन्य कंपनियों की जानकारी मिलने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर इस गिरोह के अन्य सदस्यों की भी जानकारी जुटा रही है।

बता दें कि थाना सेक्टर–20 पुलिस ने पूर्व में फर्जी कंपनियां बनाकर जीएसटी रिफंड लेने वाले गिरोह का खुलासा किया था। इस मामले में पुलिस दो दर्जन से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पुलिस इसी मामले की पड़ताल कर रही थी। इस दौरान पुलिस को पकड़े गए आरोपियों के बारे में जानकारी मिली थी।

नवरत्न फाउंडेशन ने...

का उद्देश्य समाज के वंचित तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को कड़कड़ाती ठंड से बचाने का है। इस पुनीत कार्य में शहर के अनेक गणमान्य लोगों का भी सहयोग संस्था को मिलता है। उन्होंने अपील की की अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़े जिससे आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की मदद की जा सके।

यमुना एक्सप्रेस–वे...

जाने वाले वाहन चालक बड़ी संख्या में यमुना एक्सप्रेस–वे का इस्तेमाल करते हैं। सूत्रों के मुताबक यमुना विकास प्राधिकरण ने यमुना एक्सप्रेस–वे पर स्पीड लिमिट को कम करने का फैसला लिया है। यह फैसला ठंड में पड़ने वाली धुंध को लेकर किया गया है।

15 दिसंबर 2023 से 15 फरवरी 2024 तक लिमिट

आपको बता दें कि दिसंबर महीने के आखिरी में यमुना एक्सप्रेस–वे पर काफी धुंध होती है। यह धुंध फरवरी महीने तक पड़ती है। इस दौरान तेज रफ्तार में गाड़ी चलाने वालों के साथ हादसे होने की संभावना होती है। इसको देखते हुए यमुना विकास प्राधिकरण ने यमुना एक्सप्रेस–वे पर 15 दिसंबर 2023 से 15 फरवरी 2024 तक स्पीड लिमिट को कम करने का फैसला लिया है। धुंध के दौरान कम विजिबिलटी के कारण ज्यादा हादसे होते हैं। इसलिए स्पीड लिमिट कम की जाएगी।

लाल परी के...

को शुभम चौहान शराब के नशे में प्रतीत हुआ। पुलिसकर्मियों ने शुभम से पूछताछ की और स्कूटी तलाशने में जुट गए। थाना प्रभारी के मुताबिक कुछ देर बाद शुभम चौहान ने पुलिस को बताया कि उसकी स्कूटी कंपनी से कुछ दूर खड़ी मिल गई है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि शुभम चौहान ने उक्त स्कूटी किराए पर ली थी औ उसने पिछले काफी समय से स्कूटी का किराया भी नहीं दिया है।

वहीं इस्माइलपुर विनयनगर फरीदाबाद हरियाणा निवासी रंजीत पुत्र सीताराम ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी कि वह अपनी स्प्लेंडर बाइक से अमिताभ पार्क आया था। उसने अपनी स्प्लेंडर बाइक पार्क के बाहर खड़ी कर दी और भीतर चला गया। पार्क में खाना खाने के बाद जब वह बाहर आया तो उसे स्प्लेंडर बाइक गायब मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की तो पता चला कि रंजीत शराब के नशे में था। पुलिस ने रंजीत द्वारा बताए गए बाइक नंबर के आधार पर तलाश शुरू की। करीब 10 घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने पीड़ित द्वारा बताए गए घटनास्थल से कुछ दूरी पर ही बाइक को बरामद कर लिया। चोरी की झूठी सूचनाओं से पुलिस कई घंटे तक हलकान रही।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

महाराष्ट्र लगातार तीसरे साल सबसे भ्रष्ट राज्यों की सूची में शीर्ष पर रहा

मुंबई। महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार के आंकड़े नागरिकों की चिंता बढ़ा रहे हैं. दरअसल राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट से पता चला है कि देश में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार महाराष्ट्र में है।2022 में महाराष्ट्र लगातार तीसरे साल सबसे भ्रष्ट राज्यों की सूची में शीर्ष पर रहा। राज्य में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कई उपाय और कानून लागू किये गये हैं। भ्रष्टाचार निरोधक कानून इसी उद्देश्य से बनाया गया है। 2021 में 773 और 2020 में 664 भ्रष्टाचार के मामले सामने आए हैं. भ्रष्टाचार के मामले महाराष्ट्र भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में दर्ज किए जाते हैं। भ्रष्टाचार के सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र में सामने आए।ब्यूरो ने इस संबंध में शिकायत दर्ज करने के लिए एक ऐप और एक हेल्पलाइन नंबर (1064) भी जारी किया है।इसके अलावा लोग भ्रष्टाचार की शिकायत ऑनलाइन और ऑफलाइन भी कर सकते हैं। इस संबंध में एनसीआरबी ने एक डेटा जारी किया है. 2022 में दो व्यक्तियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया जबकि छह व्यक्तियों को कारावास और अन्य दंड की सजा सुनाई गई। इस संबंध में मुख्य सचिव को विभागाध्यक्षों के साथ इन सभी मामलों की समीक्षा करना आवश्यक है. बॉम्बे हाई कोर्ट ने आदेश दिया था कि भ्रष्टाचार के मामलों की सुनवाई करने वाले विशेष जजों को हर महीने कम से कम 5 मामले निपटाने होंगे. लेकिन इसका पालन नहीं किया जाता. सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी और एसीबी प्रमुख प्रवीण दीक्षित ने कहा कि अदालत में लंबित शिकायतों पर ध्यान नहीं दिए जाने से अन्य शिकायतकर्ता निराश हैं. भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती है. यह देखना दिलचस्प है कि आने वाले समय में इसमें कोई सकारात्मक बदलाव होता है या नहीं.

महाराष्ट्र में आवारा कुत्तों का आतंक, चार साल में 2.5 लाख लोगों को कुत्तों ने काटा, 100 लोगों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र में चार साल दस माह की अवधि में आवारा कुत्तों के हमले और काटने से 25 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, जनवरी 2019 से 30 अक्टूबर 2023 के बीच राज्य में 25 लाख लोगों को कुत्तों ने काटा है. हालाँकि आवारा कुत्तों की नसबंदी करने और उनके प्रजनन को रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन यह जानकारी बताती है कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का उपद्रव बढ़ रहा है। 2019 में राज्य में 6 लाख 29 हजार 858 लोगों को कुत्तों ने काटा. इस साल आठ लोगों की जान चली गयी. 2020, 2021 में ये संख्या घटती दिख रही है. लेकिन 2022 में कुत्तों के काटने से होने वाली मौतों की संख्या बढ़कर 29 हो गई. 2023 में कुत्तों के काटने के मामलों में फिर तेजी से बढ़ोतरी हुई है और यह संख्या पांच लाख 96 हजार 472 दर्ज की गई है.

पुरुष मृत्यु दर अधिक- कुत्तों के काटने से महिलाओं की तुलना में पुरुषों की मौतें अधिक होती हैं। इस साल के पहले दस महीनों में राज्य में कुत्तों के काटने से 19 लोगों की मौत हो चुकी है. इसमें 15 पुरुष और चार महिलाएं शामिल हैं। इसमें महिलाओं की उम्र 72 से 82 साल के बीच है. कुत्तों के काटने से चार से अठारह साल की सात लड़कियों की मौत हो चुकी है।2022 में कुत्तों के काटने से 29 मौतें हुई, जिनमें से 20 पुरुष और 9 महिलाएं थीं।2021 में यह संख्या 19, 2020 में 23 और 2019 में दस लोगों की जान जा चुकी है. 2019, 2020 और 2021 में क्रमशः 14, 19 और आठ पुरुषों ने कुत्तों के काटने से अपनी जान गंवाई है। इसकी तुलना में महिलाओं की संख्या कम है.

सक्षम प्रणाली का अभाव - स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, मुंबई-पुणे जैसे शहरों को छोड़कर बाकी जगहों पर आवारा कुत्तों की समस्या के समाधान के लिए अभी भी कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं है. कुत्तों को पकड़ने से लेकर उनके नसबंदी तक की प्रक्रिया में जनशक्ति की उपलब्धता आवश्यक है।आवारा कुत्तों की समस्या केवल मुंबई तक ही सीमित नहीं है, राज्य भर में लोगों को इसका सामना करना पड़ रहा है।

नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली 100 से अधिक वेबसाइट बंद

नई दिल्ली । संगठित अवैध निवेश और कार्य-आधारित अंशकालिक नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली 100 से अधिक वेबसाइट को केंद्रीय गृह मंत्रालय की सिफारिश के बाद बंद किया गया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, इन वेबसाइट का संचालन विदेश में बैठे लोग कर रहे थे। केंद्रीय गृह मंत्रालय की एक इकाई 'भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र' (14सी) ने अपनी 'राष्ट्रीय साइबर अपराध जोखिम विश्लेषण इकाई' (एनसीटीएयू) के जरिए पिछले साल संगठित निवेश और कार्य आधारित अंशकालिक नौकरी (टास्क बेस्ड पार्ट टाइम जॉब) के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली 100 से अधिक वेबसाइट की पहचान की थी और उन्हें बंद किए जाने की सिफारिश की थी।आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी कानून, 2000 के तहत अपने अधिकार का इस्तेमाल कर इन वेबसाइट्स को बंद कर दिया है। ऐसी जानकारी मिली है कि आर्थिक अपराध से संबंधित कार्य आधारित संगठित अवैध निवेश से जुड़ी इन वेबसाइट का संचालन विदेश में बैठे लोग कर रहे थे और ये डिजिटल विज्ञापन, चैट मैसेंजर और फर्जी खातों का इस्तेमाल कर रहे थे। बयान में कहा गया है कि बड़े पैमाने पर आर्थिक धोखाधड़ी से मिली रकम का कार्ड नेटवर्क, क्रिप्टो करेंसी, विदेशी एटीएम निकासी और अंतरराष्ट्रीय फिनटेक कंपनियों के जरिए भारत से बाहर धन शोधन किया जा रहा था।

पन्नू ने फिर दी गीधड़ धमकी कहा- 13 दिसंबर को उड़ा देंगे संसद

नई दिल्ली। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू लगातार भारत के खिलाफ जहर उगलता है। कभी एयरपोर्ट उड़ाने की धमकी देता है तो कभी किसी बहाने धमकाने की कोशिश करता है। एक बार फिर उसने गीधड़ धमकी दी है। वीडियो जारी करते हुए पन्नू ने कहा है कि उसे मारने की कथित साजिश विफल होने के बाद 13 दिसंबर या उससे पहले भारत के संसद पर वह हमला करेगा। आपको बता दें कि 13 दिसंबर के ही दिन 2001 में संसद पर पाकिस्तानी आतंकवादियों ने हमला किया था। वीडियो में 2001 के संसद हमले के दोषी अफजल गुरु का पोस्टर और दिल्ली बनेगा खालिस्तान शीर्षक दिया गया है। पन्नू ने कहा कि भारतीय एजेंसियों द्वारा उसे मारने की साजिश विफल हो गई है।

वह 13 दिसंबर या उससे पहले संसद पर हमला करके इसका जवाब देगा। आपको बता दें कि संसद के शीतकालीन सत्र के बीच यह वीडियो सामने आया है। सोमवार से शुरू हुआ यह सत्र 22 दिसंबर तक चलेगा। पन्नू का धमकी भरा वीडियो सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा एजेंसियों ने कहा कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के के-2 (कश्मीर-खालिस्तान) डेस्क ने पन्नू को भारत विरोधी बयान देने और इसे प्रचारित करने के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी अधिकारियों ने पन्नू को मारने की साजिश को नाकाम कर दिया। साथ ही उन्होंने भारत सरकार को चेतावनी भी जारी की थी। पन्नू अमेरिका स्थित सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) का प्रमुख है। यह संगठन भारत में प्रतिबंधित है। अमेरिकी जांच एजेंसियों ने आदालत में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ काम करने का भी आरोप लगाया। चेक गणराज्य के अधिकारियों ने निखिल गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया है। भारत ने अमेरिका द्वारा भारतीय अधिकारी को पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोपी व्यक्ति से जोड़ने को चिंता का विषय बताया था। भारत ने कहा था कि आरोपों की जांच करने वाले पैनल के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

13 करोड़ का सोना, डेढ़ करोड़ रुपये कैश लेकर भागा सराफा कारीगर

कानपुर। यूपी के कानपुर महानगर के बजरिया थानाक्षेत्र में बेकनगंज सराफा मार्केट से सराफा कारीगर संपत राव लवेटे 15 से 20 किलो सोना और 1.5 करोड़ कैश लेकर फरार हुआ है। उसके घर और दुकान पर ताला बंद है। बेकनगंज सर्राफा एसोसिएशन के पदाधिकारी और कारोबारियों ने संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय (जेसीपी) नीलाब्जा चौधरी से मिलकर मामले से अवगत कराया। इस मामले की जांच के लिए जेसीपी ने डीसीपी सेंट्रल के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया। सराफा कारोबारी मो अय्युब ने तीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। 20 किलो सोना की कीमत आज के रेट के अनुसार करीब करीब 13 करोड़ रुपये है।

लोस चुनाव 2024 : 17 दिसंबर को 'इंडिया गठबंधन की बैठक में तैयार की जाएगी रणनीतिः लालू

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने कहा है कि आगामी लोकसभा चुनाव की रणनीति तैयार करने के लिए विपक्षी 'इंडिया गठबंधन के नेता 17 दिसंबर को बैठक करेंगे। वे छह दिसंबर को दिल्ली में प्रस्तावित बैठक के 'रद्द होने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब का जबाव दे रहे थे। कांग्रेस के सहयोगी और नेहरू-गांधी परिवार के करीबी माने जाने वाले लालू प्रसाद ने बक्सर जिले में मीडिया को बताया कि बैठक अब 17 दिसंबर के लिए पुनर्निर्धारित की गई है।

अटकलें लगाई जा रही थीं कि लालू प्रसाद के सहयोगी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को बैठक में शामिल होने के लिए अनिच्छुक थे। हाल ही में एक जनसभा में नीतीश कुमार ने हाल में संपन्न राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में 'इंडिया गठबंधन की उपेक्षा करने के लिए कांग्रेस पर हमला बोला था। इन राज्यों के चुनावों में कांग्रेस की हार के बाद, कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड के कई नेताओं ने कहा था कि कांग्रेस ने क्षेत्रीय दलों को साथ नहीं लेकर अपने दम पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से लड़ने की कोशिश करके गलती की है।

इसके अलावा, 'इंडिया गठबंधन की एक अन्य प्रमुख नेता और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने व्यस्तता के चलते छह दिसंबर को दिल्ली आने में असमर्थता जताई। इस बीच वरिष्ठ कांग्रेस नेता गुरदीप सिंह सप्पल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर घोषणा करते हुए कहा कि ''छह दिसंबर, 2023 को शाम छह बजे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर 'इंडिया गठबंधन के संसदीय दल के नेताओं की एक समन्वय बैठक होगी।'इंडिया गठबंधन में शामिल घटक दलों के शीर्ष नेताओं की बैठक दिसंबर के तीसरे सप्ताह में सभी के लिए सुविधाजनक तारीख पर की जाएगी। जब लालू प्रसाद से कांग्रेस की मौजूदा चुनावी पराजय के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि पार्टी कमजोर हो गई है लेकिन मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में इसके नेतृत्व पर काम करने की आवश्यकता है।

भगवान रामलला की बालरुप मूर्ति एक माह में हो जाएगी तैयार : राय

अयोध्या । उत्तरप्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का कार्य अपने आखिरी दौर पर है।22 जनवरी 2024 को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त भी आ चुका है।इस पर श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि राम जन्मभूमि मंदिर में भगवान राम के 5 वर्षीय बाल रूप की पत्थर की खड़ी प्रतिमा 4 फीट 3 इंज का निर्माण अयोध्या के 3 तीन स्थानों पर हो रहा है। तीन कारीगर इस मूर्ति को तीन अलग-अलग पत्थरों में बना रहे हैं।उन्होंने बताया कि ये प्रतिमायां करीब 90 प्रतिशत तैयार हैं, एक सप्ताह का फिनिशिंग का काम बाकी है। मूर्ति को भूतल पर गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। मंदिर का ग्राउंड फ्लोर लगभग तैयार हो चुका है इसलिए प्राणप्रतिष्ठा में कोई समस्या नहीं होगी...प्राणप्रतिष्ठा समारोह में कम से कम 4000 संतों को आमंत्रित किया जा रहा है। सूची तैयार है...और कोशिश की जा रही है कि 50 देशों से एक-एक प्रतिनिधि भी जरूर आएं।राय ने कहा कि रामलला की पूजा के लिए चयनित आचार्यों का प्रशिक्षण शुरू हो गया। यह प्रशिक्षण रंगवाटिका में शुरू हुआ है। मंगलवार को प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 24 वेदपाठी आचार्य बुधवार को यहां पहुंचे।ये सभी रंगवाटिका में ही निवास करने वाले हैं।इन आचार्यों को प्रशिक्षण अयोध्या के आचार्यों के साथ विशेषज्ञ देने वाले हैं। इन्हें रामलला के पूजापाठ, रागभोग सहित सभी आयामों में प्रवीण बनाया जाएगा। यह जानकारी तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े गोपालजी ने दी। उन्होंने बताया कि सभी प्रशिक्षु पहुंच गए हैं। बता दें कि श्रीराम की भव्य मूर्ति बनाने के लिए देश के अलग- अलग कोनों से शिलाएं लाई गई हैं। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण का कार्य अपने आखिरी चरण में है।

चक्रवाती तूफान ने मचाया कोहराम, चेन्नई में बिजली गुल, इंटरनेट भी ठप

चेन्नई (एजेंसी)। इस समय चेन्नई में रहने वाले हजारों लोगों को चक्रवाती तूफान मिगजॉम के कहर का सामना करना पड़ रहा है। शहर के बाढ़ वाले इलाके में जहां बिजली गुल है, वहीं इंटनेट ने भी काम करना बंद कर दिया है। लोग एक दूसरे से संपर्क भी नहीं कर पा रहे हैं। बता देंकि मंगलवार शाम को चक्रवाती तूफान मिगजॉम ने चेन्नई से 375 किलोमीटर दूर आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में दस्तक दी। मंगलवार को पूरे शहर में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल जैसी प्रमुख दूरसंचार कंपनियों की सेवाएं प्रभावित दिखीं क्योंकि दूरसंचार टावर वाले स्थलों पर डीजल पहुंचाने में कठिनाई हो रही है और बैटरी की समस्या भी दिख रही है। उद्योग से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि सेवाएं बहाल करने का काम तेजी से चल रहा है। राज्य सरकार ने एहतियात बरतते हुए विशेषतौर पर निचले इलाकों में बिजली बंद कर दी थी। अधिकांश क्षेत्रों में डीजल जेनरेटर सेट, बैकअप के रूप में चल रहे थे लेकिन अब वे भी नहीं चल रहे हैं। इसके अलावा चेन्नई में अधिकांश साइटों को टावर कंपनियों के परिचालकों ने ले लिया है। वोडाफोन आइडिया ने कहा कि इस तरह के संकट वाले दौर में भी इंटरनेट की बहाली व संपर्क को सुचारु रूप से जारी रखने की कोशिश में जुटे हैं।

वोडाफोन आइडिया लिमिटेड के एक प्रवक्ता ने कहा कि मिगजॉम चक्रवात के आने से बिजली गुल होने और नेटवर्क साइटों तक सीमित पहुंच के चलते आंशिक रूप से हमारी सेवाएं प्रभावित हुई हैं। अत्यधिक बाढ़ के चलते बनी चुनौतियों के बावजूद, हमारी जमीनी टीमें स्थानीय अधिकारियों के साथ दिन-रात काम कर रही हैं। वॉयस और डेटा सेवाओं को धीरे-धीरे बहाल किया जा रहा है और हमें उम्मीद है कि जल्द ही स्थिति सामान्य हो जानी चाहिए। निजी क्षेत्र के तीन दूरसंचार परिचालकों के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें उम्मीद है कि बुधवार शाम तक जब चक्रवात उत्तर की ओर बढ़ेगा और बाढ़ का पानी कम होगा तब वे टावर साइट को फिर से शुरु कर देंगे। मंगलवार को शहर में बचाव कार्य काफी जोर-शोर से किया जा रहा था। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने संवाददाताओं से कहा कि हमने पिछली बारिश के आधार पर कार्ययोजना बनाई थी। अप्रत्याशित बारिश के बावजूद इस बार पहले की तुलना में कम नुकसान हुआ है।

नोटबंदी के बावजूद बढ़ा नकली मुद्रा का प्रचलन : एनसीआरबी

- पड़ौसी देशों पर लगाया अर्थव्यवस्था अस्थिर करने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। कालेधन और नकली मुद्रा पर ?नियंत्रण के ?लिए सात साल पूर्व हुई ? नोटबंदी के बावजूद नकली मुद्रा का ?सिल?सिला थमता नजर नहीं आ रहा है ।हाल में एनसीआरबी की जारी रिपोर्ट के अनुसार, नोटबंदी के बाद पहले साल में नकली नोटों के प्रचलन में थोड़ी कमी आई थी, लेकिन बाद के वर्षों में इसमें फिर तेजी देखी गई। देश में पिछले साल 42,10,406 नकली भारतीय मुद्रा नोट जब्त किए गए, जिनकी कुल कीमत 382 करोड़ रुपये थी।पिछले साल अकेले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 16 करोड़ रुपये के नकली नोट जब्त किये गये। राष्ट्रीय राजधानी में जब्त नकली नोटों में 2000 रुपये के 73,253 नोट; 1000 रुपये का एक नोट; 500 रुपये के 24,476 नोट; 200 रुपये के 3,160 नोट; 100 रुपये के 12,980 नोट; 50 रुपये के 5,706 नोट; 20 रुपये के 26 नोट; और 10 रुपये के 31 नोट शामिल हैं। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने हाल ही में सरगना सहित पांच लोगों को गिरफ्तार कर एक अंतर-राज्यीय नकली नोट गिरोह का भंडाफोड़ किया था और 500 रुपये के 19 लाख रुपये से ज्यादा मूल्य के नकली नोट बरामद किये थे।

उल्लेखनीय है कि जाली मुद्रा भारतीय दंड संहिता के तहत एक दंडनीय अपराध है, और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967, नकली भारतीय मुद्रा के उत्पादन, तस्करी या संचलन को आतंकवादी कृत्य के रूप में नामित करता है। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी नकली नोटों की इस आमद का एक बड़ा स्रोत पश्चिमी पड़ोसी देश पाकिस्तान को बताते हैं। उनका तर्क है कि पाकिस्तान नकली मुद्रा लाकर भारत की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने के अपने दुर्भावनापूर्ण प्रयासों में लगा हुआ है। अधिकारियों ने कहा, पश्चिमी सीमा पर कड़े सुरक्षा उपायों के बावजूद, पाकिस्तान ने नकली धन की घुसपैठ के लिए वैकल्पिक मार्गों को अपनाया है और अब भारत के साथ सीमा साझा करने वाले दूसरे पड़ोसी देशों का इस्तेमाल कर रहा है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, नोटबंदी के बाद काठमांडू (नेपाल), बांग्लादेश और भारत में बड़ी मात्रा में जाली नोटों की बरामदगी की जांच से पता चला है कि पहले नकली नोटों की बड़ी खेप हवाई मार्ग से खाड़ी देशों के रास्ते पाकिस्तान से नेपाल और बांग्लादेश पहुंचाई जाती है। इसके बाद नेपाल और बांग्लादेश की खुली अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के माध्यम से भारत में नकली धन की तस्करी की जाती है।

इधर गठबंधन बिखरने की खबरें आ रहीं हैं उधर राहुल विदेश जा रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार मिली है। इस हार के बाद इंडिया गठबंधन में दरार आने की खबरें चलना शुरु हो गईं। रही सही कसर टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कर दी। इन नेताओं से साफ कर दिया कि बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे। इससे सियासी हवा और अधिक गरमा गई। माना जाने लगा कि इस गठबंधन में घमासान और बढ़ेगा। कई नेताओं ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देना भी शुरु कर दिया। इसी बीच खबर आई है कि राहुल गांधी अपनी छह दिवसीय विदेश यात्रा के दौरान इंडोनेशिया, सिंगापुर, मलयेशिया और वियतनाम जाएंगे। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों का कहना है कि राहुल की विदेश यात्रा सुनियोजित थी। ऐसे में उनके दौरे पर सवाल नहीं उठना चाहिए। हालांकि विपक्षी गठबंधन इंडिया से जुड़े सहयोगियों का मानना है कि ऐसे में जब पार्टी के साथ गठबंधन संकट में है, तब उन्हें परिपक्वता का परिचय देते हुए यह यात्रा टाल देनी चाहिए थी।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 9 दिसंबर से 14 दिसंबर तक इंडोनेशिया सहित चार देशों की यात्रा पर जाएंगे। उनकी विदेश यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब संसद का शीतकालीन सत्र जारी है। यही नहीं, इसी हफ्ते विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आए हैं, जिनमें पार्टी को हिंदी पट्टी के तीन अहम राज्यों- मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में करारी हार झेलनी पड़ी है। इसके अलावा विपक्षी गठबंधन इंडिया में जारी अनबन के कारण पार्टी को बुधवार को होने वाली बैठक टालनी पड़ी है। इस अहम मौके पर राहुल की विदेश यात्रा पर सवाल उठ रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने इंडिया गठबंधन से कहा, देश को उत्तर और दक्षिण में नहीं बांटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने विपक्षी दलों से देश को उत्तर और दक्षिण भारत के आधार पर नहीं बांटने को कहा। उन्होंने पूछा कि क्या विपक्षी गठबंधन 'इंडिया के घटक दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सांसद की हिंदी भाषी राज्यों के खिलाफ टिप्पणी का समर्थन करते हैं? केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड का विचार लेकर आए हैं, ताकि पूरे देश को सब्सिडी वाला खाद्यान्न प्राप्त करने की एकल पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से एकजुट किया जा सके।

उन्होंने विपक्ष पर हमले करते हुए कहा, ''हम यह नहीं पता करते कि कौन कहां से कहां 'माइग्रेट करता है। अब किसी को राशन कार्ड को जेब में लेकर घूमने की आवश्यकता नहीं, बल्कि अब अंगूठा ही राशन कार्ड है। व्यक्ति देश में कहीं भी जाएगा वहां उस जगह राशन मिलेगा। कुछ विपक्षी सदस्यों की आपत्तियों के बीच उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री हमेशा लोगों को एकजुट करने के लिए काम करते हैं। लेकिन विपक्ष देश को विभाजित करने की कोशिश कर रहा है। उनमें से कुछ ने उत्तर और दक्षिण भारत के बारे में भी बात की। कृपया देश को विभाजित करना बंद करें।

आपत्तियों पर सख्त रुख दिखाकर मंत्री ने पलटवार करते हुए पूछा, क्या आप कल इस सदन में दिए गए एक सदस्य के बयान का समर्थन करते हैं? क्या 'इंडिया गठबंधन के सदस्य उस सांसद के बयान का समर्थन करते हैं? हालांकि, गोयल ने विवादास्पद टिप्पणी करने वाले द्रमुक सदस्य डी एन वी सेंथिल कुमार का नाम नहीं लिया। गोयल ने कहा कि देश में 81.35 करोड़ लोगों को अब प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त अनाज मिल रहा है। उन्होंने कहा, ''यह योजना कम आय वाले परिवारों के लिए केंद्र सरकार द्वारा 100 प्रतिशत वित्त पोषण के तहत पूरे भारत में लागू की गई है।

जब लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने केंद्रीय मंत्री गोयल की टिप्पणी पर आपत्ति जाहिर की तब मंत्री ने पूछा कि क्या उन्हें दर्द हो रहा है, क्योंकि देश के गरीबों को मुफ्त अनाज मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कर्नाटक के लोगों को 10 किलो मुफ्त खाद्यान्न देने का अपना वादा भी पूरा नहीं कर सकी और इसका केवल आधा हिस्सा (पांच किलो) दे रही है। गोयल ने कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतें दर्ज करने और उनकी समस्याओं का समाधान करने की प्रणाली को मजबूत और सरल बनाया गया है।

पीएम मोदी ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का रोडमैप तैयार कर काम शुरु किया

झज्जर (एजेंसी)। हर भारतीय का सपना है, कि अपना भारत विकसित बने। पीएम मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का रोडमैप तैयार कर कार्य शुरू कर दिया है। तेजी से व्यवस्था परिवर्तन का काम हो रहा है। पहले की सरकारों में एक परिवार व व्यक्ति महत्वपूर्ण होता था। भाजपा ने परिवार व व्यक्ति महत्वपूर्ण वाली व्यवस्था बदल दी है और अब सिस्टम व संस्थान महत्वपूर्ण हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह मोदी जी की व्यवस्था परिवर्तन का परिणाम है, कि सरकारी अधिकारी गांव जाकर पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दे रहे हैं। पहले लोग सरकारी कार्यालयों के चक्कर काट-काटकर थक जाते थे। राष्ट्रीय सचिव धनखड़ ने कहा कि भारत सकल घरेलू उत्पाद में दुनिया में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। पीएम मोदी के सशक्त नेतृत्व में अपना देश जल्द ही जापान व जर्मनी जैसे विकसित देशों को पीछे छोड़कर सकल घरेलू उत्पाद में तीसरे पर पायदान पर होगा। भारत दवाई निर्माण व निर्यात में दुनिया का अग्रणी देश बना हुआ है, अमेरिका जैसे देश भारत की दवाइयों पर निर्भर है।उन्होंने कहा कि भाजपा की नीति है कि देश की प्रगति का लाभ अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पंहुचे। इसके लिए लाभार्थियों तक शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने के लिए डीबीटी योजना यानि सीधे खातों में रूपए भेजना, उज्जवला योजना के तहत हर पात्र के घर रसोई गैस सिलेंडर पहुंचाने, आयुष्मान चिरायु योजना के तहत प्रति व्यक्ति पांच लाख रूपये तक निशुल्क ईलाज की सुविधा, हर घर नल से जल सहित ढांचागत विकास और मूलभूत सुविधाओं में निरंतर सुधार हुआ है।

ज्यादा से ज्यादा युवाओं को माई भारत पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना चाहिए। इस पोर्टल के माध्यम से मेरा भारत संगठन युवाओं को ऐसा अवसर देगा, जिसमें वह अपनी कौशल क्षमताओं को निखारने और उसका उपयोग करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

राष्ट्रीय सचिव धनखड़ ने कहा कि पीएम मोदी जी पहल पर सरकार योजनाओं का लाभ लेकर आपके दरवाजे पर आ रही है। यह कार्यक्रम देशभर में शुरू किया गया है। मोदी-मनोहर सरकार की योजनाओं का लाभ मौके पर ही दिया जा रहा है। धनखड़ ने कार्यक्रम में 11 पात्र महिलाओं को उज्जवला योजना के तहत रसोई गैस के कनेक्शन सौंपे, नमो ड्रोन दीदी की प्रक्रिया का अवलोकन किया, विभिन्न लाभार्थियों से सीधा संवाद किया। काफी संख्या में ग्रामीणों ने हेल्थ चेकअप कराया।

टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग्स

रवि बिश्नोई वर्ल्ड नंबर-1

नई दिल्ली। टी20 क्रिकेट को नया वर्ल्ड नंबर-1 गेंदबाज मिल गया है। आईसीसी की टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग्स में अब भारतीय स्पिनर रवि बिश्नोई गेंदबाजी में पहले पायदान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस स्थान पर लंबे अरसे से काबिज राशिद खान को पछाड़ा है। रवि बिश्नोई के खाते में अब 699 अंक हो गए हैं। वह राशिद खान (692) से 7 रेटिंग पॉइंट आगे निकल गए हैं। इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर श्रीलंका के वानिदु हसरंगा (679), चौथे नंबर पर आदिल रशिद (679) और पांचवें पायदान पर महीष तीक्षणा (677) हैं। यानी टी20 इंटरनेशनल गेंदबाजों की रैंकिंग्स में टॉप-5 स्थानों पर स्पिनर्स का कब्जा है।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज का मिला फायदा

रवि बिश्नोई को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में संपन्न हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज से जबरदस्त फायदा हुआ है। सीरीज में बिश्नोई ने 5 मैचों में 9 विकेट चटकाए। खास बात यह कि इस सीरीज में जमकर हुई रनों की बरसात के बीच वह नियमित तौर पर विकेट निकालने में सफल रहे। इस प्रदर्शन के लिए वह 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' भी चुने गए।

17 का बॉलिंग एवरेज और 14 का स्ट्राइक रेट

रवि बिश्नोई ने पिछले साल इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। फरवरी 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ ईडन गार्डन्स में इस स्पिनर ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। अपने पहले ही मुकाबले में वह 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे थे। उन्होंने 17 रन खर्च कर दो विकेट चटकाए थे। तब से लेकर अब तक यह गेंदबाज टी20 में लगातार कहर बरपा रहा है। बिश्नोई अब तक 21 मुकाबले खेल चुके हैं और 17.38 की गेंदबाजी औसत और 7.14 के इकोनॉमी रेट से कुल 34 विकेट चटका चुके हैं। उनका बॉलिंग स्ट्राइक रेट 14.5 रहा है। यानी हर 15वीं गेंद में उन्होंने विकेट चटकाया है।

सचिन और विराट को मिला राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण

नई दिल्ली। क्रिकेट के दो दिग्गज सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली को आपने क्रिकेट के मैदान पर तो कई बार देखा होगा, लेकिन इन दोनों खिलाड़ियों को आप जल्द ही देश के सबसे बड़े धार्मिक कार्यक्रम में भी एकसाथ देख सकते हैं। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सचिन और विराट दोनों अयोध्या जा सकते हैं। सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली दोनों को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए निमंत्रण भेजा गया है। यह पहली बार होगा कि क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले ये दो भारतीय खिलाड़ी एक साथ किसी धार्मिक कार्यक्रम को देखने जाएंगे।

पीएम मोदी समेत करीब 8000 गणमान्य व्यक्ति होंगे शामिल

इस खास कार्यक्रम के लिए विशेष रूप से प्रतिष्ठित क्रिकेट जोड़ी के अलावा लगभग 8000 गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। जनवरी 2024 तक पवित्र मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। रामलला की मूर्ति उद्घाटन समारोह में कई खास हस्तियां शामिल होंगी, जिनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भारत रत्न सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, समेत कई अन्य लोग शामिल हैं। सचिन और विराट को कई बार धार्मिक कार्यों में शामिल होते हुए देखा गया है।

विराट कोहली बने 2023 में 'हीरो'

नई दिल्ली। विराट कोहली को दुनिया को दिग्गज बल्लेबाज़ों में शुमार किया जाता है। कई पूर्व दिग्गज तो कोहली को क्रिकेट जगत का 'बेस्ट बैट्समैन' भी कहते हैं। इन्हीं सबके बीच पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम को अक्सर विराट कोहली से तोलते हुए दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों में शुमार किया जाता है। लेकिन क्या बाबर आज़म को विराट कोहली से तोलना ठीक है? तमाम क्रिकेट प्रेमी कोहली की तरह बाबर आज़म को भी 'किंग' बोलते हैं, क्या ये भी ठीक है? इन सारे सवालों के जवाब हम आपको दोनों बल्लेबाजों के इस साल यानी 2023 के आंकड़ों से देंगे और फिर आप खुद फैसला कर सकेंगे। विराट कोहली के लिए तीनों ही फॉर्मेट में 2023 का साल अब तक बेहद शानदार गुज़रा है। हालांकि उन्होंने इस साल कोई टी20 इंटरनेशनल मुकाबला ना तो खेला है और ना ही खेलेंगे। लेकिन आईपीएल के ज़रिए उन्होंने टी20 मुकाबले खेले और दो शतक भी लगाए। दूसरी ओर, बाबर आज़म ने वनडे और टी20 में तो ठीक प्रदर्शन किया, लेकिन टेस्ट में फ्लॉप रहे। वहीं विराट का बल्ला टेस्ट में भी चला।

2023 में विराट कोहली का प्रदर्शन

विराट कोहली ने 2023 में अब तक 10 टेस्ट, 24 वनडे और 14 टी20 मुकाबले खेले हैं। हालांकि इस साल वो अब सिर्फ 2 टेस्ट ही और खेलेंगे। अब तक टेस्ट में कोहली ने 55.7 की औसत से 557 रन बनाए, जिसमें दो शतक शामिल रहे। इसके अलावा वनडे में उन्होंने 72.47 की औसत से 1377 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 6 शतक निकले। टी20 इंटरनेशनल में उन्होंने 53.25 की औसत और 139.8 की स्ट्राइक रेट से 639 रन जड़े।

आईसीसी की 12 में से 8 रैंकिंग्स में भारत का दबदबा

नई दिल्ली। ICC ने हाल ही में क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट के लिए बल्लेबाजों से लेकर गेंदबाजों और ऑलराउंडर्स की रैंकिंग्स जारी की है। नई रैंकिंग्स सामने आने के बाद क्रिकेट की दुनिया में भारत की बादशाहत साफ-साफ देखने को मिलती है। दरअसल क्रिकेट की ओवरऑल 12 रैंकिंग्स में से 8 पर भारत का दबदबा नजर आता है। टी20 से लेकर टेस्ट तक में नंबर-1 टीम से लेकर नंबर-1 गेंदबाज पर भारत और भारतीय खिलाड़ियों का कब्जा है। **नंबर-1 टेस्ट टीम :** भारतीय टीम यहां 118 रेटिंग पॉइंट के साथ पहले पायदान पर है। दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के हिस्से भी 118 रेटिंग पॉइंट्स ही हैं। **नंबर-1 टेस्ट बॉलर :** आर. अश्विन लंबे अरसे से इस मामले में पहले नंबर पर काबिज हैं। उनके खाते में 879 रेटिंग पॉइंट्स हैं। यहां दूसरे नंबर पर कगिसो रबाडा हैं, जो 825 रेटिंग पॉइंट्स लिए हुए हैं। **नंबर-1 टेस्ट ऑलराउंडर :** इस मामले में टॉप-2 पॉजीशन पर भारतीयों का ही कब्जा है। रवींद्र जडेजा (455) पहले नंबर पर और आर. अश्विन (370) दूसरे पायदान पर हैं। **नंबर-1 टी20 टीम :** भारतीय टीम 265 रेटिंग पॉइंट्स के साथ पहले पायदान पर है। दूसरा स्थान इंग्लैंड (259) का है। **नंबर-1 टी20 बल्लेबाज :** सूर्यकुमार यादव के नाम 855 रेटिंग पॉइंट्स हैं। वह पिछले कई महीनों से यहां नंबर-1 बने हुए हैं। दूसरे नंबर पर पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान (787) हैं। नंबर-1 टी20 गेंदबाजः रवि बिश्नोई के खाते में 699 अंक हो गए हैं और वह राशिद खान (692) को 7 रेटिंग पॉइंट से पछाड़कर पहले पायदान पर आ गए हैं। **नंबर-1 वनडे टीम :** यहां टीम इंडिया 121 रेटिंग पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर मौजूद है।

वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया (117) से वह 4 अंक आगे है।

नंबर-1 वनडे बल्लेबाजः इस मामले में भारतीय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल पहले पायदान पर मौजूद हैं। वह दूसरे स्थान पर काबिज़ बाबर आजम (824) से दो अंक आगे हैं।

उत्तर मुंबई खेल महोत्सव 2023 : तैराकी प्रतियोगिता में 242 प्रतियोगियों ने लिया भाग

मुंबई। कांदिवली के पोइसर जिमखाना में आयोजित 'उत्तर मुंबई क्रीड़ा महोत्सव 2023' में आयोजित तैराकी प्रतियोगिता में कुल 242 प्रतियोगियों ने भाग लिया। फ्री स्टाइल (72 मीटर) अंडर 12 लड़कों की श्रेणी में ओजोन क्लब, गोरेगांव प. के आर्यन चिकने, सार्थक विचारे और रचित सुर्वे ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। 4x36 मी. फ्री स्टाइल रिले में 6 और 8 साल से कम उम्र के लड़कों में मुरबालीदेवी स्पोर्ट्स, दहिसर प. तेजस शर्मा, आर्यव रेडकर, हेत गड्डा, मनन दाजी को प्रथम पुरस्कार मिला। दूसरा पुरस्कार सेंट जॉन्स हाई स्कूल, कांदिवली के आरव सावंत, दक्ष शर्मा, गौरांश घुटे, जियांश मारोलिया को मिला। इस प्रतियोगिता में केईएस इंटरनेशनल स्कूल, कांदिवली प., छत्रपति शिवाजी महाराज स्पोर्ट्स (सीएसएमएसएस), अंधेरी, बिलाबॉन्ग इंटर.स्कूल, मलाड, रेनेसंस क्लब, अंधेरी ने भाग लिया।

तैराकी प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए पोइसर जिमखाना के उपाध्यक्ष करूणाकर शेट्टी।

दक्षिण अफ्रीका रवाना टीम इंडिया, 10 दिसंबर से होगी सीरीज की शुरुआत

नई दिल्ली। भारतीय टीम अपने अगले असाइनमेंट के लिए दक्षिण अफ्रीका रवाना हो चुकी है। 10 दिसंबर से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 सीरीज़ के साथ मुकाबलों की शुरुआत होगी। इसके बाद वनडे और टेस्ट सीरीज़ खेली जाएगी। अभी टीम इंडिया का पहला बैच दक्षिण अफ्रीका के लिए निकला है, जिसमें अधिक्तर टी20 टीम के खिलाड़ी मौजूद हैं। सिर्फ इंट्रा मैच और टेस्ट स्कॉव्ड का हिस्सा रहने वाले विराट कोहली और रोहित शर्मा इस बैच का हिस्सा नहीं हैं। इसके अलावा इस बैच में ऐसे भी खिलाड़ी हैं, जो तीनों ही फॉर्मेट की सीरीज में टीम इंडिया का हिस्सा हैं, जिसमें रुतुराज गायकवाड़, मुकेश कुमार और श्रेयस अय्यर शामिल हैं। टी20 के कप्तान सूर्यकुमार यादव और राहुल द्रविड़ की अगुवाई वाला कोचिंग स्टाफ मौजूद है।

पाक के नए कप्तान शान मसूद ने किया कमाल

नई दिल्ली। पाकिस्तान टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। शान मसूद की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम 3 मैचों की टेस्ट सीरीज़ से पहले प्राइम मिनिस्टर इलेवन से 4 दिन का वॉर्मअप मुकाबला खेल रही है। वॉर्मअप मैच के पहले दिन पाकिस्तान के नए टेस्ट कप्तान शान मसूद ने कमाल कर दिया। वह अकेले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज़ों के सामने डटे रहे और शानदार शतक जड़ दिया। वहीं इमाम उल हक और बाबर आज़म का बल्ला खामोश रहा। वॉर्मअप मैच के पहले दिन का खेल खत्म होने तक शान मसूद 156 रन बनाकर नाबाद लौटे। वहीं इमाम उल हक 13 और बाबर आज़म 40 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा वर्ल्ड कप में धमाकेदार प्रदर्शन करने वाले अब्दुल्ला शफीक ने 38 रनों की पारी खेली। मुकाबले के पहले दिन बैटिंग के लिए उतरी पाकिस्तान की टीम ने दिन खत्म होने तक 89.4 ओवर में 6 विकेट पर 324 रन स्कोर कर लिए हैं।

वर्ल्ड कप में शोहरत हासिल करने वाले जेराल्ड कोइट्जे, आईपीएल में खेलने को तैयार

मुंबई। वर्ल्ड कप 2023 कई खिलाड़ियों के करियर में रोशनी लेकर आया है। कुछ खिलाड़ियों के लिए मेगा इवेंट बुरा सपना साबित हुआ, तब कुछ ने खूब नाम कमाया। इनमें से एक नाम द.अफ्रीका के तेज गेंदबाज जेराल्ड कोइट्जे का भी नाम है, जिन्होंने महज 8 माह में करियर की दिशा बदल दी। कोइट्जे ने वर्ल्ड कप में कमाल की गेंदबाजी की और शादी के बंधन में बंध चुके हैं। कोइट्जे ने अपनी शादी के फोटो शेयर किए हैं और भगवान को भी धन्यवाद दिया। द.अफ्रीका की टीम वर्ल्ड कप 2023 में आक्रामक प्रदर्शन करती नजर आई। एक तरफ से बल्लेबाज वार कर रहे थे, दूसरी तरफ टीम के गेंदबाज अपनी रफ्तार से विरोधी टीमों के परखच्चे उड़ा रहे थे। शानदार प्रदर्शन की बदौलत टीम ने सेमीफाइनल के लिए टिकट काटा। लेकिन नॉकआउट मैच में ऑस्ट्रेलिया के सामने भीगी बिल्ली साबित हुई। टीम को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में कोइट्जे का भी अहम योगदान रहा। उन्होंने महज 8 मैच में 20 विकेट अपने नाम किए। इसके साथ उन्होंने सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में टॉप-5 में स्थान के साथ मेगा इवेंट का अंत किया। कोइट्जे ने 8 महीने पहले इंटरनेशनल टीम में अपना डेब्यू किया था। उन्होंने वर्ल्ड कप में सारे मुकाबलों को मिलाकर कुल 14 मैच खेले हैं। जिसमें उन्होंने 31 विकेट अपने नाम किए। इस दौरान कोइट्जे ने 4 बार तीन विकेट झटके जबकि 2 बार चार बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाने में कामयाब रहे। हालांकि, अभी तक वनडे करियर में उन्होंने पंजा नहीं खोला है। शानदार प्रदर्शन और जिंदगी में नई पारी की शुरुआत करने के बाद कोइट्जे आईपीएल में भी अपना जलवा बिखेरने को तैयार हैं।

जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप: स्पेन के खिलाफ आत्ममुग्धता से भारत को बचना होगा

कुआलालंपुर (एजेंसी)। एफआईएच जूनियर हॉकी विश्व कप में सकारात्मक शुरूआत के बाद भारत को बृहस्पतिवार को पूल सी में स्पेन के खिलाफ मैच में आत्ममुग्धता से बचना होगा। उपकप्तान अराइजीत सिंह हुंडल की हैट्रिक के दम पर भारत ने पहले मैच में कोरिया को 4 . 2 हराया। भारत के कोच सी आर कुमार टीम के प्रदर्शन से खास खुश नहीं दिखे।

उन्होंने कहा कि टीम को बाकी मैचों में बेहतर प्रदर्शन करके अनावश्यक पेनल्टी कॉर्नर देने से बचना होगा। भारतीय टीम ने पहले मैच में छह पेनल्टी कॉर्नर दिये जबकि दो ही बना सकी। कुमार ने कोरिया के खिलाफ मैच के बाद कहा ,'' हमें खुशी है कि हमने पूरे तीन अंक लिये लेकिन हमें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। हमने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल गंवाये जिस पर ध्यान देना होगा।'' उन्होंने कहा ,'' इतने पेनल्टी कॉर्नर देना सही नहीं है। हमने छह पेनल्टी कॉर्नर दिये और दो ही बना सके। इसमें एहतियात बरतने की जरूरत है।''

भारत ने 2001 में होबर्ट और 2016 में लखनऊ में जूनियर विश्व कप जीता है। वहीं 1997 में इंग्लैंड में रजत पदक जीता था। कप्तान उत्तम सिंह और हुंडल पिछली बार भी भुवनेश्वर में टूर्नामेंट खेले थे जब भारत चौथे स्थान पर रहा था। स्पेन ने 2005 में रॉटरडम में कांस्य पदक जीता था। इस पूल में भारत, स्पेन और कोरिया के अलावा कनाडा की टीम भी है। भारत को शनिवार को कनाडा से खेलना है।

पूल ए में गत चैम्पियन अर्जेंटीना, आस्ट्रेलिया, चिली और मलेशिया है जबकि पूल बी में मिस्र, फ्रांस , जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका हैं। पूल डी में बेल्जियम, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान हैं। हर ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी।

बीसीसीआई से रोहित शर्मा की दो टूक, टी20 वर्ल्ड कप में लेना है तो अभी बताएं

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। भारतीय प्लेयर रोहित शर्मा ने बीसीसीआई से दो टूक कहा है कि वह उसे टी20 वर्ल्ड कप में लेना चाहती हैं तो अभी बतायें। गौरतलब है कि बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों ने हाल ही में भारतीय क्रिकेट के बारे में विभिन्न बातों पर चर्चा करने के लिए भारत के कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और चयन समिति के साथ लम्बी बैठक की। इस दौरान रोहित लंदन में थे और जूम कॉल के माध्यम से नई दिल्ली में आयोजित बैठक में शामिल हुए। रोहित कुछ महीनों की कठिन नॉन-स्टॉप क्रिकेट के बाद अपने परिवार के साथ छुट्टियां मनाने विदेश गए थे, उन्होंने कथित तौर पर बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों और चयनकर्ताओं से पूछा क्या वह चाहते है कि वह वेस्टइंडीज और यूएसए में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप का हिस्सा बनें।

बैठक में मौजूद एक अधिकारी के हवाले से रोहित और अन्य लोगों के बीच हुई बातचीत का खुलासा हुआ। रोहित ने उपस्थित अधिकारियों और अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति से पूछा कि क्या उन्होंने उन्हें टी20 विश्व कप में खेलते हुए देखते हैं। अधिकारी के अनुसार बैठक में रोहित ने कहा, अगर आप मुझे टी20 विश्व कप के लिए चुनना चाहते हैं तो मुझे बताएं कि इसके बारे में कैसे जाना है। उपस्थित अधिकारी, कोच द्रविड़ और चयनकर्ता कथित तौर पर सर्वसम्मति से सहमत हुए कि रोहित टी20 विश्व कप में टीम की कमान संभालने के लिए सही व्यक्ति हैं। चयनकर्ता वास्तव में चाहते थे कि रोहित दक्षिण अफ्रीका दौरे से ही टी20 टीम की कमान संभालें, लेकिन अनुभवी सलामी बल्लेबाज ने पूरे सफेद गेंद से ब्रेक का अनुरोध किया।

भारतीय क्रिकेटर अश्विन को सता रहा 'मिगजॉम का डर

चेन्नई । भारत के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को भी चक्रवाती तूफान 'मिगजॉम का डर सता रहा है। उन्होंने चेन्नई के लोगों की बदहाली का जिक्र करते हुए कहा कि उनके अपने इलाके में पिछले 30 घंटे से अधिक समय से बिजली गुल है। तमिलनाडु और आसपास के इलाकों में में 'मिगजॉम तूफान ने तबाही मचाई हुई है। चेन्नई में मंगलवार को बारिश रूक गई लेकिन जगह जगह काफी पानी जमा है, बिजली कटी हुई है और मोबाइल नेटवर्क नहीं आ रहा। इस पीड़ा को अश्विन ने 'एक्स पर लिखा, 'मेरे इलाके में भी 30 घंटे से अधिक समय से बिजली नहीं है। यही हालत अधिकांश इलाकों की है। पता नहीं क्या विकल्प बचा है। गौरतलब है कि चेन्नई के रहने वाले अश्विन लगातार शहर की तस्वीरें और वीडियो क्लिप पोस्ट कर रहे हैं। उन्होंने सोमवार को क्षतिग्रस्त सड़क की वीडियो डालकर लिखा था कि एक दिन और धैर्य रखिए अगर बारिश रूक जाती है, रिकवरी में समय लगेगा। हैशटैग चेन्नई रेंस 2023। गौरतलब है कि तमिलनाडु में बारिश से जुड़ी विभिन्न घटनाओं में कम से कम 16 लोगों के मारे जाने के समाचार हैं।

ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड के तहत आउट होने वाले मुशफिकुर रहीम बने पहले प्लेयर

नई दिल्ली। बांग्लादेश के विकेटकीपर मुशफिकुर रहीम ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील?ड के तहत आउट होने वाले पहले प्लेयर बन गए हैं। बता दें कि न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से मीरपुर में शुरू हुए दूसरे टेस्ट के पहले दिन बांग्लादेश के विकेटकीपर बैटर मुशफिकुर रहीम को ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड आउट घोषित किया गया। इसके साथ ही वे इस नियम के तहत आउट होने वाले बांग्लादेश के पहले बैटर बन गए हैं। मैच में बांग्लादेश की टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया लेकिन न्यूजीलैंड की गेंदबाजी के आगे उसके बैटर संघर्ष करते नजर आए। मैच में बांग्लादेश के तीन विकेट 41 रन के स्कोर पर गिरने के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम बैटिंग के लिए आए और उन्होंने 83 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 35 रनों की पारी खेली। ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड के तहत उनकी पारी का दुर्भाग्यपूर्ण अंत हुआ। पारी के 41वें ओवर में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइले जैमिसन की गेंद पर रहीम ने डिफेंसिव शॉट खेला लेकिन उन्हें अहसास हुआ कि गेंद बल्ले से उछलकर उनके स्टंप्स को हिट कर सकती है। ऐसे में उन्होंने बाएं हाथ से गेंद को विकेट से दूर हटा दिया। इसके बाद कीवी फील्डरों ने रहीम के खिलाफ ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड की अपील की। मैदान पर मौजूद अंपायर्स ने फैसला टीवी अंपायर को रेफर किया जिन्होंने रिकॉर्डिंग को कई बार देखने के बाद फैसला न्यूजीलैंड टीम के पक्ष में दिया। ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड नियम के अनुसार, कोई भी बल्लेबाज गेंद को खेलने के बाद जानबूझकर विपक्षी टीम के फील्डर्स के काम में बाधा पहुंचाता है या अपने शब्दों और ऐक्शन से उनका ध्यान भटकाता है तो उसे 'ऑब्सट्रक्टिंग द फील्ड' के अंतर्गत आउट दिया जा सकता है। एमसीसी के नियम 37।1 में इस बारे में विस्?तार से बताया गया है ।स्ट्राइकर अगर जानबूझकर गेंद को अपने हाथ से हटाता है (जब उसने बैट को हाथ में न पकड़ा हो)

ब्रायन लारा ने की भविष्यवाणी, शुभमन को बताया नई पीढ़ी का सुपरस्टार

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर ब्रायन लारा ने शुभमन गिल को नई पीढ़ी का सुपर स्टार बताया है। उन्होंने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि शुभमन उनके सारे रिकार्ड तोड़ेगा। गौरतलब है कि ब्रायन लारा के नाम टेस्ट मैच की एक पारी में 400 रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है। लारा ने यह रिकॉर्ड साल 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था जो आज भी अटूट है। लेकिन लारा की मानें तो उनका यह वर्षों पुराना रिकॉर्ड भारत के उदीयमान ओपनर शुभमन गिल तोड़ेंगे। यही नहीं, लारा ने यह भी कहा है कि उनकी फर्स्ट क्लास क्रिकेट में खेली गई नाबाद 501 रन की पारी को भी गिल ध्वस्त करेंगे। लेफ्ट हैंड पूर्व बैटर लारा ने साल 1994 में काउंटी चैंपियनशिप में वॉरविकशॉयर की ओर से खेलते हुए डरहम के खिलाफ यह रिकॉर्डतोड़ पारी खेली थी। ब्रायन लारा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वह मेरा रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। गिल ने बेशक वर्ल्ड कप में सेंचुरी नहीं जड़ी लेकिन उन्होंने पहले जो पारियां खेली है। उनके नाम तीनों फॉर्मेट में शतक हैं। वह वनडे में डबल सेंचुरी जड़ चुके हैं। वह आईपीएल में कई मैच विनिंग पारी खेल चुके हैं।

ब्रायन लारा ने 24 साल के गिल को नई सदी के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी बताया हैं। बकौल लारा, यदि गिल काउंटी काउंटी क्रिकेट में खेलते हैं तो, वह मेरे नाबाद 501 रन के वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट में निश्चिततौर पर वह 400 रन के आंकड़े को भी पार कर सकते हैं। हाल के दिनों में क्रिकेट में काफी कुछ बदलाव आया है। खासकर बैटिंग में बदला हुआ माहौल है। पूरी दुनिया में बल्लेबाज टी20 लीग खेल रहे हैं। आईपीएल ने सबकुछ बदल कर रख दिया है। स्कोरिंग रेट में भी भारी उछाल आया है। इसलिए शुभमन भी बड़ा स्कोर करेंगे। यह आप चाहें तो अभी नोट कर लिजिए।

बता दें कि शुभमन गिल के लिए यह साल बेहतरीन रहा है। वह वनडे क्रिकेट के नंबर वन बल्लेबाज हैं। उन्होंने वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाए। गिल के नाम वनडे में सबसे तेज 2000 रन बनाने का रिकॉर्ड है। वह तीनों फॉर्मेट में शतक जड़ने वाले दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी हैं। उन्होंने साल 2023 में वनडे में 6 शतक जड़े जिसमें एक डबल सेंचुरी भी शामिल है। इस दौरान उनका औसत 60 से भी अधिक का रहा है। हालांकि टेस्ट क्रिकेट में गिल को अभी अपने आप को साबित करना होगा।

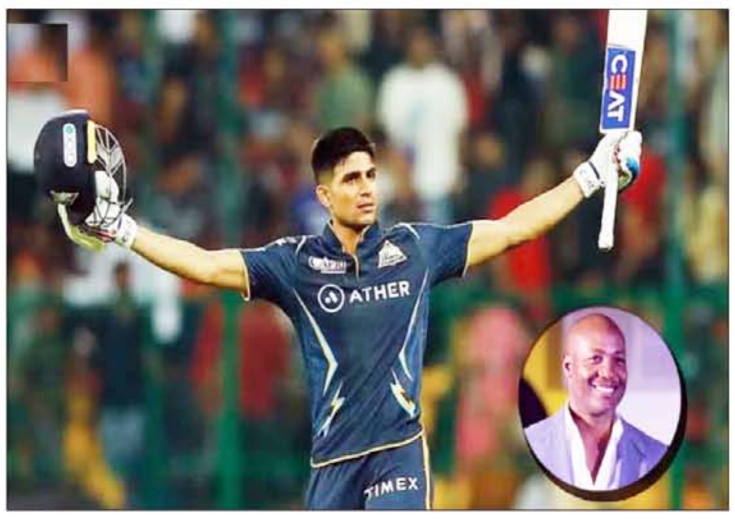

खसरा: विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे एक आसन्न वैश्विक खतरा क्यों घोषित किया

महामारी का एक परिणाम नियमित स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच कम होना और कम टीकाकरण था। लिहाजा, नवंबर 2022 में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने खसरा को दुनिया के हर क्षेत्र के लिए आसन्न खतरौ घोषित किया। उन्होंने इस बात का खुलासा किया कि कैसे लगभग चार करोड़ बच्चों की रिकॉर्ड संख्या 2021 में कम से कम एक खसरे के टीके की खुराक लेने से चूक गई थी। खसरा एक वायरल श्वसन रोग है। यह कोविड की तरह लोगों के बीच सांस के जरिए निकलने वाली सूक्ष्म बूंदों और एरोसोल (एयरबोर्न ट्रांसमिशन) से फैलता है। संक्रमण हल्के मामलों में दाने और बुखार पैदा करता है। लेकिन गंभीर मामलों में एन्सेफलाइटिस (मस्तिष्क में सूजन), अंधापन और निमोनिया शामिल हो सकते हैं। एक वर्ष में लगभग 90 लाख मामले और 128,000 मौतें होती हैं। खसरे की वैक्सीन, जिसे अकेले या एमएमआर के तहत विभिन्न बीमारियों के लिए एक साथ किए जाने वाले टीकाकरण के तहत लिया जा सकता है, बहुत प्रभावी है। अधिकांश देशों में इसकी दो खुराक दी जाती है, पहली खुराक आमतौर पर 12 महीने की उम्र में दी जाती है और दूसरी खुराक जब बच्चा चार साल का होता है। टीका बहुत उच्च और लंबे समय तक चलने वाली सुरक्षा प्रदान करता है, और वास्तव में 'वैक्सीन के जरिए टाले जा सकने वाले रोग' शब्द का एक आदर्श उदाहरण है। दो-खुराक कार्यक्रम खसरे के संक्रमण से लगभग 99 प्रतिशत सुरक्षा प्रदान करता है। विकासशील देशों में जहां टीकों का उपयोग कम है, खसरे से पीड़ित दस में से एक की इससे मृत्यु हो जाती है।

विकसित देशों में, 1,000 से 5,000 खसरे के मामलों में लगभग एक की दर से और वह भी अधिकांशतः गैर-टीकाकरण वाले लोगों की मृत्यु होती है। संघर्ष क्षेत्रों और शरणार्थी आबादी जैसे क्षेत्रों में टीका-रोकथाम योग्य बीमारियों के नए प्रकोप की संभावना अधिक है। कुपोषण जैसी समस्याएं गंभीर बीमारी के जोखिम को बहुत बढ़ा देती हैं, और श्वसन संबंधी संक्रामक रोग यूक्रेनी शरणार्थियों जैसे कमजोर समूहों के लिए काम करने वाले मानवतावादी समूहों के लिए एक बड़ी चिंता है।

खसरा अविश्वसनीय रूप से संक्रामक है। इसकी मूल प्रजनन संख्या (आरओ) - यानी, एक अतिसंवेदनशील आबादी में एक संक्रमित व्यक्ति औसतन कितने लोगों को संक्रमित करेगा - 12 और 18 के बीच होने का अनुमान है। तुलना के लिए, ओमिक्रॉन कोरोना संस्करण का आरओ लगभग 8.2 माना जाता है। प्रकोप को नियंत्रण में रखने और एक समुदाय के आसपास आगे संचरण को कम करने के लिए जनसंख्या के अनुपात को टीकाकरण की आवश्यकता होती है जिसे प्रतिरक्षा सीमा (एचआईटी) के रूप में जाना जाता है। खसरे के लिए, 95 प्रतिशत वैक्सीन कवरेज को आमतौर पर हिट मैजिक नंबर माना जाता है।

दुनिया का अधिकांश हिस्सा उस सीमा से नीचे है, जिसमें दो खुराक के लिए लगभग 71 प्रतिशत और एक खुराक के कवरेज के लिए 81 प्रतिशत का वैश्विक कवरेज है। यूके में, 2021-22 के आंकड़ों से पता चलता है कि 89 प्रतिशत बच्चों को खसरे के टीके की एक खुराक मिली थी।

विश्व स्तर पर, पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में सभी कारणों से होने वाली मौतों को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। वार्षिक मृत्यु 1990 में एक करोड़ 25 लाख से घटकर 2019 में 52 लाख हो गई। हालांकि, कम टीका कवरेज उन लाभों को उलट सकता है।

गलत सूचना

टीकाकरण का विरोध करने वाले झूठी अफवाहें और डराने वाली कहानियां फैलाते हैं, जैसे कि पूर्व चिकित्सक और वैक्सीन विरोधी कार्यकर्ता एंड्रयू वेकफील्ड का यह नकली दावा कि एमएमआर वैक्सीन ऑटिज्म का कारण बनता है। लोग इस तरह के दावों पर विश्वास करने लगते हैं। उदाहरण के लिए, 2020 में एक अमेरिकी जनसंख्या सर्वेक्षण में कहा गया: 'हमारे 18 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि यह कहना बहुत या कुछ हद तक सही है कि टीके ऑटिज्म का कारण बनते हैं।'

कोविड महामारी की शुरुआत के बाद से गलत सूचना व्यापक रही है। और इस गलत सूचना के आगे चलकर नियमित टीकाकरण के प्रति हिचकिचाहट और टीके से इनकार के बड़े स्तर में तब्दील होने का जोखिम है। खसरा आसानी से फैलता है और बिना टीके वाली आबादी में छोटी और लंबी अवधि का गंभीर संक्रमण हो सकता है।

दुनिया भर में टीके से रोकी जा सकने वाली बीमारियों से तेजी से बचाव के लिए टीकाकरण अभियानों की बहुत आवश्यकता है। यह अभियान विशेष रूप से विकासशील देशों और अन्य कमजोर आबादी जैसे कि शरणार्थियों और संघर्ष के क्षेत्रों में चलाना और भी ज्यादा जरूरी है।

द कन्वरसेशन

कफ दूर करने के आसान उपाय

नीलगिरी का तेल - नीलगिरि के तेल से आप गले और छाती का मसाज करें और इस तेल की कुछ बूंदें नाक में डालें। यह नुस्खा बहुत जल्दी असर दिखाता है। पानी में इसकी कुछ बूंदे डालकर सुबह शाम सेवन करें।

शहद और गरम पानी का सेवन - एक गिलास गरम पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर सेवन करें। यह जमी हुई कफ को आसानी से बाहर निकाल देगा। शहद छाती की जकड़न दूर करने में सहायक है। पानी गरम करते समय इस एक टुकड़ा अदरक का डालने से जल्दी असर होगा।

काली मिर्च और शहद - काली मिर्च हर तरह के संक्रमण को दूर करने में मदगार है। जमी हुई कफ को निकालने के लिए आप एक चुटकी काली मिर्च पाउडर को एक चम्मच शहद में मिलाकर सेवन करें। यह उपाय आप लगातार एक सप्ताह करके देखें आपको राहत मिलेगी।

कच्ची हल्दी का सेवन - कच्ची हल्दी हर तरह के वैक्टीरिया संक्रमण को दूर करने के लिए सहायक है। आप कच्ची हल्दी को पानी में उबाल कर इसका सेवन करें। यह जमा कफ को आराम से दूर करेगा। साथ ही कफ से होने वाली खांसी की समस्या से भी राहत मिलेगी क्योंकि हल्दी में एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं।

तुलसी और अदरक - तुलसी और अदरक हर तरह के इंफेक्शन को दूर करने में कारगर है। आप अदरक और तुलसी का काढ़ा बनाकर सेवन कर सकते हैं। यह आपकी कफ की परेशानी को दूर करने के साथ ही इम्यून पॉवर को भी इंप्रूव करेगा।

नींबू और शहद - नींबू और शहद का सेवन भी आपको जमी हुई कफ की समस्या से राहत प्रदान करने में सहायक है। एक गिलास गरम पानी में एक चम्मच शहद और कुछ नींबू की मिलाकर सेवन करिये आपको आराम मिलेगा।

स्टीम लेना होगा लाभदायक - आप सुबह शाम स्टीम लेना शुरू कर दीजिये। यह जमी हुई कफ की परेशानी को दूर करने का सबसे अचूक उपाय है। इस नुस्खे को आजमाकर आप दो से तीन दिन में ही इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

गरम पानी का सेवन - छाती और गले में जमा कफ को निकालने के लिए ठन्डे पानी की जगह गरम पानी का सेवन आपके लिए लाभदायक होगा। गरम पानी जमा कफ को आसानी से पिघलाकर बाहर निकालने में सहायता करता है।

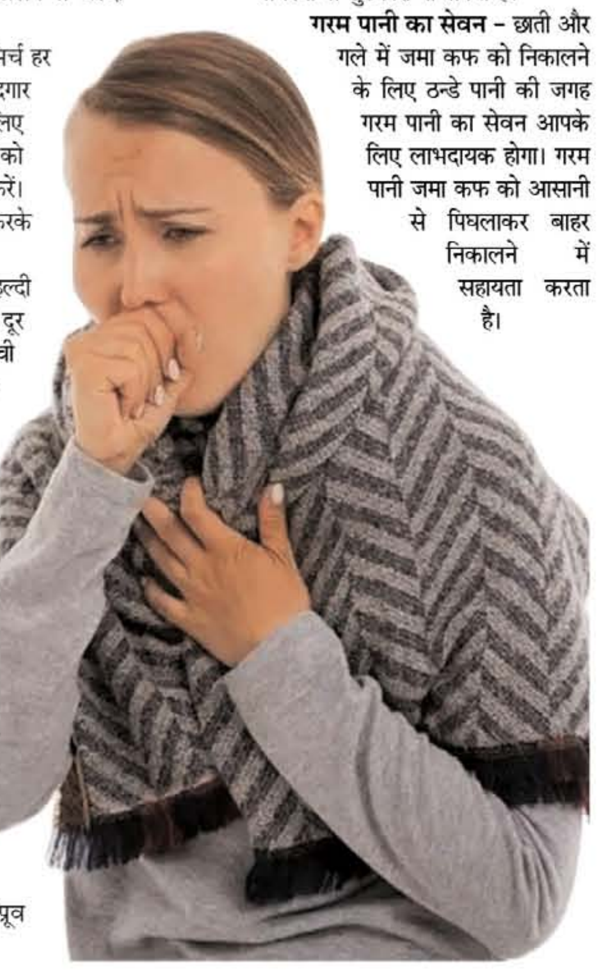

लाइफस्टाइल

वर्क प्लेस पर अच्छी मेंटल हेल्थ का होना बहुत जरूरी

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार कामकाजी उम्र के 15 प्रतिशत भारतीय वयस्क मेंटल डिसऑर्डर (मानसिक बीमारी) की चपेट में अपनी जिंदगी गुजार रहे हैं। हाल ही में डेलॉयट के एक सर्वे में पता चला है कि लगभग 47 प्रतिशत प्रोफेसनल वर्कप्लेस से संबंधित स्ट्रेस से पीड़ित हैं। इस तरह के स्ट्रेस से उनका मानसिक स्वास्थ्य नकारात्मक रूप से बहुत प्रभावित होता है। ये चिंताजनक आंकड़े वर्कप्लेस पर मेंटल हेल्थ को बेहतर करने पर जोर देते हैं। जब कर्मचारियों का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहेगा तभी कम्पनी की उत्पादकता में वृद्धि होगी।

काम से संबंधित ऐसे फैक्टर या कारण जिससे कर्मचारियों का मानसिक स्वास्थ्य ख़राब होता है

- एक अच्छे वर्कप्लेस की यह निशानी होती है कि वहां का मैनेजमेंट दयालु और उनका कम्युनिकेशन बेहतर हो। ऐसा होने से मैनेजमेंट और कर्मचारी के बीच घनिष्ठता भी बढ़ती है। दूसरी ओर जब कम्युनिकेशन खराब होता है, तो इससे बेवजह का तनाव बढ़ता है और वर्कप्लेस से संबंधित तनाव और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होती हैं।
- जब मैनेजेमेंट काम से संबंधित समस्याओं को हल करने में कर्मचारियों की सहायता नहीं करते हैं, तो कर्मचारी डिमोटीवेटेड और कम आत्मविश्वास महसूस करते हैं। उदाहरण के लिए मैनेजमेंट को उन कामों को पूरा करने के लिए एक एग्जाम्पल सेट करना चाहिए जो कर्मचारियों के लिए स्पष्ट हो।
- कोरोनावायरस महामारी के दौरान बहुत सारी नौकरियों के छिन जाने से

कर्मचारियों के दिमाग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। यह देखा गया है कि कर्मचारियों पर हर समय बेहतर प्रदर्शन करने का दबाव रहता है। काम का बोझ ज्यादा होने और ज्यादा समय तक काम करने से अतिरिक्त तनाव पड़ता है और भावनात्मक रूप से थकावट होती है।
- ख़राब मानसिक स्वास्थ्य की वजह से शारीरिक रूप से व्यक्ति कमजोर हो जाता है और उसकी रोजमर्रा की जिंदगी में भी बाधा पहुंचती है। खराब मानसिक स्वास्थ्य का आपके रोजमर्रा के जीवन और शारीरिक क्षमता पर महत्वपूर्ण रूप से नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इस वजह से व्यक्ति की याददाश्त पर प्रभाव पड़ता है। उसमे सोशल एंग्जाइटी बढ़ती है। उसके हाव-भाव में तब्दीली आती है।
- मानसिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं होने से कर्मचारी के अंदर नकारात्मक विचार आते हैं। उसका आपा खोया हुआ रहता है। जब निर्णय लेने की क्षमता कमजोर होती है तो इस वजह से कर्मचारी अपनी मीटिंग में नहीं पहुँच पाता है, ऑफिस देर से पहुंचता है, जो काम उसे करने होते है वह भी पूरा नहीं कर पाता है और कम्पनी के दिशा-निर्देशों का भी वह पालन नहीं करता है।
- डिमोटिवेशन और फोकस की कमी तब होती है जब मानसिक स्वास्थ्य ख़राब हो जाता है। जब वर्कप्लेस पर मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं सामने आती है तो हमारे विचार भटक जाते हैं या अपनी समस्याओं में व्यस्त हो जाते हैं। ये सभी हमारे विचारों और भावनाओं को नियंत्रित करना मुश्किल बनाते हैं।

निष्कर्ष

वर्कप्लेस पर मानसिक स्वास्थ्य का का अच्छा होना बहुत जरूरी होता है। इसके बारे में जागरूकता बढ़ाना भी बहुत जरूरी है। कमर्चारी का मानसिक स्वास्थ्य ख़राब होने से कर्मचारी की उत्पादकता ख़राब हो जाती है। जब कंपनियां अपने कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर करने के लिए कदम उठाते हैं तो कम्पनी का काम बेहतर होता है और कम्पनी फलती-फूलती है।

डॉ. ज्योति कपूर, मनःस्थली वेलनेस

फिटनेस

रिवर्स वॉक : सेहत के लिए फायदेमंद

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कई तरह की एक्सरसाइज की जा सकती हैं। विशेषज्ञ टहलने को सबसे अच्छी एक्सरसाइज मानते हैं, क्योंकि इसे बच्चों से लेकर बूढ़ों तक कोई भी कभी भी कर सकता है। पर क्या आपको रिवर्स वॉकिंग यानी उल्टा चलने के फायदों के बारे में पता है?

सीधी सैर से ज्यादा फायदेमंद उल्टी सैर होती है। इससे हमारे दिमाग और शरीर के बीच अच्छा बैलेंस बनता है। रोजाना 20-30 मिनट रिवर्स वॉक करने से किडनी, हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज से जुड़ी परेशानियों में भी आराम मिलता है। आइए जानते हैं इसके 6 बड़े फायदे...

घुटनों के लिए फायदेमंद

उल्टा चलने से घुटनों से जुड़ी समस्याओं को कम करने में मदद मिलती है। इससे घुटनों में दर्द, तनाव और सूजन की परेशानी से छुटकारा मिल सकता है। पैर में चोट या गठिया से पीड़ित लोगों के लिए भी रिवर्स वॉकिंग एक अच्छा उपाय माना जाता है।

पीठ दर्द कम करने में मददगार

रिवर्स वॉकिंग से आपकी पीठ में लंबे समय से बना हुआ दर्द कम हो सकता है। जब आप उल्टा चलते हैं तो आपकी पीठ की मांसपेशियों की एक्सरसाइज होती है। इसके अलावा उल्टा चलने से रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्या और कमर दर्द में भी आराम मिलता है।

मेंटल हेल्थ के लिए फायदेमंद

उल्टा चलते समय आपके दिमाग को ज्यादा काम और फोकस करना पड़ता है। इससे दिमाग की अच्छी खासी एक्सरसाइज हो जाती है। रोजाना उल्टा चलने से डिप्रेशन और एंग्जाइटी जैसे मानसिक रोगों से भी छुटकारा मिल सकता है।

पैरों की ताकत बढ़ती है

रिवर्स वॉकिंग से पैरों के पीछे की मांसपेशियों की एक्सरसाइज भी होती है। इससे आपके पैर ज्यादा मजबूत होते हैं। नॉर्मल वॉकिंग करने से पैरों पर इतना जोर नहीं पड़ता।

बैलेंस बेहतर होता है

उल्टी सैर आपके शरीर और दिमाग के बीच के बैलेंस को बेहतर बनाती है। सीधा चलने की जगह उल्टा चलने पर आपके दिमाग का पूरा ध्यान आपके शरीर के मूवमेंट पर होता है। इससे शरीर का संतुलन भी बढ़ता है और दिमाग की एकाग्रता भी।

वजन कम होता है

उल्टा चलना उन लोगों के लिए बहुत अच्छा है जो अपना वजन घटाना चाहते हैं। जब आप उल्टा चलते हैं तो आपको अपने शरीर के आगे और पीछे के हिस्सों को एक साथ बैलेंस करना पड़ता है। इससे आप अपनी बॉडी को टाइट करते हैं, जिसके चलते आपका वजन जल्दी कम होता है।

जागरुकता

झूठ बोलना आदत से ज्यादा बीमारी है...

झूठ बोलना भी एक बीमारी है। दुनिया में कुछ ऐसे लोग हैं, जो अनजाने में कई बार झूठ बोलते हैं। इसके चलते कई लोग परेशान हैं, और कई की तो तलाक होने की नौबत आ चुकी हैं। ऐसा ही एक मामला है अमेरिका के थिएटर आर्टिस्ट और प्रोड्यूसर क्रिस्टोफर मसीमाइन का। उन्हें झूठ बोलने की आदत है। जिससे वे परेशान हैं। इसकी वजह से उनकी नौकरी चली गई और तलाक की नौबत आ गई।

उनके झूठ बोलने का दायरा बहुत बड़ा है। एक बार वे दावा कर चुके है कि उन्होंने एवरेस्ट फतेह कर लिया है, जबकि उस समय वे कंबोडिया के होटल में बैठे थे। व्हाइट हाउस में अवॉर्ड मिलने का दावा भी वे कर चुके हैं।

वे अपनी झूठ बोलने की बीमारी का इलाज कर रहे डॉक्टर से भी झूठ बोल देते हैं। 36 वर्षीय क्रिस्टोफर का कहना है कि वे झूठ बोलने वाले जालसाज नहीं हैं, बल्कि मानसिक रूप से बीमार हैं।

क्रिस्टोफर को 'क्लस्टर बी पर्सनैलिटी डिसऑर्डर' है, इस सिंड्रोम में व्यक्ति दूसरों का ध्यान आकर्षित करने के लिए झूठ बोलता है। उनकी पत्नी मैगी कहती हैं कि उन्हें समझ नहीं आता था कि क्रिस्टोफर कब झूठ बोल रहे हैं और कब सच। ऐसे में उन्होंने कई बार तलाक लेने का सोचा। क्रिस्टोफर बचपन से ही झूठ बोल रहे हैं। जब दूसरी कक्षा में गणित में अच्छे अंक नहीं आए तो घरवालों का ध्यान भटकाने के लिए उन्होंने झूठ बोला।

अमेरिका के 5.3 प्रतिशत लोग दिनभर में 15 बार झूठ बोलते हैं

मिशिगन यूनिवर्सिटी के सर्वे में सामने आया कि अमेरिका के 5.3 प्रतिशत लोग दिन भर में औसत 15 बार झूठ बोलते हैं। कई तो नेता या दुकानदार होने की वजह से झूठ बोलते हैं। वहीं कई बिना किसी स्पष्ट कारण के झूठ बोलते हैं। हालांकि थेरेपी की मदद से इन लोगों की हालत ठीक हो सकती है।

अध्ययन

नई जैववस्तु से रीढ़ की हड्डी में लगी चोट का इलाज हो सकता है आसान

एक नवीनतम अध्ययन के मुताबिक नई विकसित वस्तु से नए उत्तकों के बनने की प्रक्रिया तेज होगी और इससे रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज तेजी से हो सकेगा। अध्ययन के मुताबिक अनुसंधानकर्ताओं ने नए उत्तकों के विकास एवं बनने के लिए नए तरह की आधार वस्तु और विशेष तरीके से विद्युत तंरगो से तैयार पॉलिमर का इस्तेमाल किया है। लिमेरिक विश्वविद्यालय (यूएल) के अनुसंधानकर्ताओं की टीम ने नई हाइब्रिड वस्तु तैयार की है जो उत्तक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में इस्तेमाल नैनो कण और ढांचे की तरह है और यह रीढ़ में लगी चोट को दोबारा ठीक करने में कारगर साबित हुई है। यूएल के एसोसिएट प्रोफेसर मौरिस एन कोलिन्स ने कहा, रीढ़ की हड्डी में लगी चोट या नुकसान व्यक्ति के लिए सबसे पीड़ादायक अवस्था है और इसका असर जीवनपर्यंत और जिंदगी के प्रत्एक हिस्से में रह सकता है। उन्होंने कहा, चोट लगने के स्थान से नीचे के हिस्से के कमजोर होने का असर लकवा हो सकता है और केवल अमेरिका में ही सालाना इसके इलाज पर 9.7 अरब डॉलर का खर्च आता है। मौजूदा समय में वृहद पैमाने पर इसका इलाज उपलब्ध नहीं है। लगातार इस क्षेत्र में अनुसंधान हो रहा है जो अहम है ताकि इलाज की तलाश कर मरीज की जिंदगी की गुणवत्ता को सुधारा जा सके। इलाज तलाशने की इसी कड़ी में उतक इंजीनियरिंग अहम रणनीति है। कोलिंस ने कहा, उतक इंजीनियरिंग का लक्ष्य दान के अंगों और उतकों की वैश्विक कमी का समाधान करना है और जैव वस्तु की नई परिपाटी सामने आई है। विद्युत संकेतकों की वजह से शरीर की कोशिकाएं प्रभावित होती हैं खातसौर पर सुचालक प्रकृति की कोशिकाएं जैसे हृदय और तंत्रिका तंत्र की कोशिकाएं। इस अनुसंधानपत्र को जर्नल बायोमैटीरियल रिसर्च में प्रकाशित किया गया है।

कटरीना ने साझा किया विजय के साथ काम करने का अनुभव

कटरीना कैफ वर्तमान में टाइगर 3 की सफलता का आनंद ले रही हैं। मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने न केवल प्रशंसकों का दिल जीता है, बल्कि आलोचकों से भी प्रशंसा हासिल की है और बॉक्स ऑफिस पर अच्छी सफलता हासिल की है। कटरीना के प्रदर्शन और एक्शन दृश्यों व्यापक रूप से सराहना की गई है। हाल ही में अभिनेत्री को जेद्दा में प्रतिष्ठित रेड सी फिल्म फेस्टिवल में भाग लेने का सम्मान मिला। इवेंट में बातचीत के दौरान, अभिनेत्री ने खुलासा किया कि उनकी अगली फिल्म मेरी क्रिसमस है। श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित यह फिल्म उनके करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण फिल्म है। अपनी आने वाली फिल्म मेरी क्रिसमस पर चर्चा करते हुए कटरीना कैफ ने निर्देशक श्रीराम राघवन के साथ काम करने का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट उनके अब तक के करियर में सबसे चुनौतीपूर्ण है। उनके द्वारा निभाया गया किरदार एक महत्वपूर्ण भावनात्मक और कलात्मक निवेश की मांग करता है और राघवन ने एक पुरस्कृत चुनौती प्रदान की। मेरी क्रिसमस एक द्विभाषी फिल्म है, जिसे हिंदी और तमिल दोनों में शूट किया गया है। कटरीना ने कहा कि तमिल संस्करण के लिए तमिल में अपनी लाइनें देने से फिल्मांकन प्रक्रिया में जटिलता बढ़ गई। प्रत्येक दृश्य और प्रत्येक भाषा में के लिए दो टेक की आवश्यकता होती है, जो अभिनेत्री के लिए चुनौतीपूर्ण था, लेकिन यह उनका उत्साहजनक अनुभव भी रहा। कटरीना ने फिल्म में अपने सह-कलाकार विजय सेतुपति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विजय अद्भुत हैं। उन्होंने हिंदी और तमिल भाषा में फिल्म को बखूबी शूट किया। वहीं बात करें फिल्म की रिलीज के बारे में तो शुरुआत में दिसंबर 2023 में इसे एक नाटकीय रिलीज के लिए निर्धारित किया गया था। फिर फिल्म निर्माताओं ने बाद में इसे स्थगित करने की घोषणा की और फिल्म अब 12 जनवरी, 2024 को स्क्रीन पर रिलीज होने के लिए तैयार है।

ओटीटी स्पेशल के लिए फिर एक साथ आए कपिल शर्मा, सुनील ग्रोवर

भारत के टॉप रेटेड कॉमेडियन कपिल शर्मा और सुनील ग्रोवर एक स्ट्रीमिंग कॉमेडी स्पेशल के लिए फिर से साथ आ रहे हैं। शो के निर्माताओं ने शनिवार को एक वीडियो जारी किया जिसमें दोनों को एक-दूसरे के गले में हाथ डाले देखा जा सकता है और वे दर्शकों को बता रहे हैं कि वे एक वेब स्पेशल के लिए ज्वॉइन कर रहे हैं। ओजी गैंग के अन्य सदस्य जैसे अर्चना पूरन सिंह, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा और राजीव ठाकुर भी वीडियो में दिखाई देते हैं। वीडियो में कपिल कहते हैं, हाय दोस्तों, मैं कपिल शर्मा हूं और मैं जल्द ही एक शो लेकर आ रहा हूं। सुनील ग्रोवर भी यही कहते हैं और कपिल कहते हैं, चलो साथ चलते हैं। सुनील ग्रोवर, जो द कपिल शर्मा शो में अपने लोकप्रिय काल्पनिक पात्रों गुत्थी और डॉ. मशहूर गुलाटी की भूमिका निभाने के बाद एक घरेलू नाम बन गए, ने कपिल शर्मा के साथ अपने बड़े विवाद के बाद 2018 में द कपिल शर्मा शो छोड़ कर सभी को चौंका दिया। दोनों अभिनेता-कॉमेडियन ऑस्ट्रेलिया में एक शो खत्म करने के बाद जब फ्लाइट में वापस मुंबई लौट रहे थे, तब उनके बीच झड़प हो गई। कपिल शर्मा दुनिया भर में अपने प्रशंसकों के लिए रोमांचक कॉमेडी शो के साथ नेटफ्लिक्स पर अपने पूरे स्टैंडअप कॉमेडी और टॉक शो लाने के लिए तैयार हैं।

बॉलीवुड की चकाचौंध भरी दुनिया को अलविदा कहेंगी इलियाना

बॉलीवुड से लेकर साउथ तक धमाल मचाने वाली अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज इन दिनों कैमरे से दूर मदरहुड एंजॉय कर रही हैं। हालांकि, इलियाना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह अक्सर फैंस के बीच अपनी ग्लैमरस और बोल्ड तस्वीरों के साथ ही बेटे की फोटोज भी शेयर करती रहती हैं, जिस पर फैंस भी प्यार लुटाने में पीछे नहीं रहते हैं। लेकिन इसके बाद भी इलियाना के फैंस उनके फिल्मों में वापसी की इंतजार कर रहे हैं और अक्सर अभिनेत्री से सवाल भी करते हैं। फिल्मों में वापसी पर चुप्पी साधे बैठी इलियाना डिक्रूज के फैंस के लिए हमारे पास एक ऐसी खबर है, जो उनका दिल तोड़ सकती है। दरअसल, कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इलियाना चकाचौंध भरी दुनिया को अलविदा कहने वाली हैं। अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज इन दिनों सोशल मीडिया पर एक मां के रूप में अपने नए जीवन की झलक साझा करने के लिए सुर्खियों में बनी रहती हैं। अपने नन्हे से राजकुमार, कोआ फीनिक्स डोलन के साथ बिताए पलों को फैंस के साथ साझा करने से लेकर, अपने पोस्ट-डिलीवरी वर्कआउट की वीडियो बनाने करने तक, अभिनेत्री अपने फैंस को हर पल की अपडेट देती हैं। लेकिन इन सबके बीच हालिया रिपोर्ट्स से पता चला है कि इलियाना जल्द ही सिल्वर स्क्रीन पर वापसी नहीं करेंगी। एक रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेत्री अपने पति माइकल डोलन और बेटे के साथ हमेशा-हमेशा के लिए यूएसए में सेटल होने और अपने अभिनय करियर को अलविदा कहने पर विचार कर रही हैं। रिपोर्ट में एक करीबी सूत्र के अनुसार खुलासा किया गया है कि इलियाना ने अपनी पेशेवर जिंदगी के बजाय अपने पारिवारिक जीवन को प्राथमिकता देने का फैसला किया है। रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया कि, उन्होंने अपना प्रोफेशनल जीवन छोड़ने का फैसला किया है क्योंकि उन्हें अपने पति और बच्चे के साथ ज्यादा समय बिताने में ज्यादा खुशी मिलती है। फैंस द्वारा स्क्रीन पर इलियाना की वापसी के बारे किए जा रहे सवालों पर बात करते हुए सूत्र ने कहा कि अभिनेत्री इस समय फिल्म ऑफर्स को स्वीकार करने से बच रही हैं। वह इन दिनों अपने परिवार के साथ यूएसए में बसने और वहीं अपना जीवन खुशी से बिताने पर जोर दे रही हैं। इलियाना के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म अनफेयर एंड लवली की शूटिंग पूरी की है, जिसमें उनके साथ मुख्य भूमिका में रणदीप हुड्डा हैं। अभिनेत्री को आखिरी बार अभिषेक बच्चन के साथ द बिग बुल में देखा गया था। इस फिल्म का सह-निर्माण अजय देवगन ने किया था।

परेश रावल ने आलिया-रणबीर को बताया प्रतिभाशाली

परेश रावल ने हिंदी सिनेमा में खुद को कॉमेडी फिल्मों के बादशाह के रूप में स्थापित किया है। अभिनेता इन दिनों अपनी आगामी फिल्म वेलकम 3 और हेरा फेरी 3 की तैयारी कर रहे हैं। फैंस भी परेश को एक बार फिर स्क्रीन पर कॉमेडी करते देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अभिनेता ने हाल ही में भाई-भतीजावाद को फर्जी बहस बताया है। चलिए जानते हैं कि अभिनेता ने क्या कहा है। पिछले कुछ वर्षों में से नेपोटिज्म के मुद्दे पर गरमागरम बहस जारी रहती है। हाल ही में, परेश ने इस विषय पर बात करते हुए इसे पूरी तरह फर्जी बताया। इसके साथ ही उन्होंने आलिया भट्ट और रणबीर कपूर का उदाहरण देते हुए कहा कि अगर उनका बेटा इन दोनों की तरह प्रतिभाशाली होता तो वे अपना सारा पैसा उस पर खर्च कर देते और खर्च करने से पहले एक बार भी नहीं सोचते। हाल ही में, एक इंटरव्यू में परेश ने कहा, मुझे लगता है कि नेपोटिज्म पर बहस फर्जी है। मेरा बेटा अगर रणबीर कपूर या आलिया भट्ट जितना टैलेंटेड होता तो मैं उसमें मेरा सब पैसा लगा देता। यह गलत बात नहीं है। डॉक्टर का बच्चा डॉक्टर नहीं बनेगा तो क्या नाई? बनेगा, जिन लोगों ने भाई-भतीजावाद की बहस पर शोर मचाया, उनसे पूछा जाता है कि वे अपने पिता की विरासत को इतनी खुशी से क्यों स्वीकार करते हैं। इसके बदले इसे अपने पड़ोसी को दे दो। अभिनेता ने हेरा-फेरी 3 पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि किसी को सतर्क रहना होगा क्योंकि यह पिछले कुछ वर्षों में एक बड़ा ब्रांड बन गया है और कोई भी चीजों को हल्के में नहीं ले सकता क्योंकि समय के साथ सिनेमा में दर्शकों का स्वाद बदल गया है। अपने प्रोजेक्ट के बारे में और अधिक जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि इसकी शूटिंग मार्च-अप्रैल 2024 में शुरू होगी। अभिनेता ने हेरा-फेरी 3 पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि किसी को सतर्क रहना होगा क्योंकि यह पिछले कुछ वर्षों में एक बड़ा ब्रांड बन गया है और कोई भी चीजों को हल्के में नहीं ले सकता क्योंकि समय के साथ सिनेमा में दर्शकों का स्वाद बदल गया है। अपने प्रोजेक्ट के बारे में और अधिक जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि इसकी शूटिंग मार्च-अप्रैल 2024 में शुरू होगी।

शालिनी पांडे ने बताया -अर्जुन रेड्डी से कैसे अलग था कियारा आडवाणी का किरदार

अभिनेत्री शालिनी पांडे को संदीप रेड्डी वांगा की अर्जुन रेड्डी के लिए पहचाना जाता है। इस फिल्म में विजय देवराकोंडा के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। मगर, शालिनी हिंदी रीमेक कबीर सिंह का हिस्सा नहीं थीं। इसके हिंदी रीमेक में शाहिद कपूर और कियारा आडवाणी नजर आई थीं। अभिनेत्री ने हाल ही में कबीर सिंह को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि कियारा आडवाणी का किरदार उनसे कैसे अलग था। शालिनी पांडे से हाल ही में एक बातचीत में सवाल किया गया कि क्या उन्हें लगता है कि व हिंदी रीमेक में कियारा आडवाणी से बेहतर काम कर सकती थीं। एक्ट्रेस ने इसके जवाब में कहा, मुझे नहीं पता। मैंने कभी इस तरह से नहीं सोचा था। मैंने उस फिल्म को बिल्कुल अलग फिल्म के तौर पर लिया। इसके अलावा मेरा यह मानना है कि दो लोगी की अलग-अलग एनर्जी और वाइब्स होती हैं और केमिस्ट्री की तरह यह अलग-अलग लोगों के साथ अलग-अलग होती हैं। मेरी इस बारे में कोई राय नहीं है कि क्या मुझे वहां होना चाहिए था, या मैंने इस किरदार को निभाया होता। अर्जुन रेड्डी एक्ट्रेस ने कहा, मैंने इसे किया है और मैंने इसे एक निश्चित तरीके से किया है और वह मेरे लिए प्रीति थी, लेकिन कबीर सिंह के संदर्भ में कियारा और शाहिद जो लाए हैं, वह पूरी तरह से उनका अपना होगा और अलग है। उन्होंने आगे कहा, निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा एक ही फिल्म बना रहे हैं लेकिन इसमें दो अलग-अलग लोग एक साथ आ रहे हैं और एक बिल्कुल नई केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि मैंने इसके बारे में ऐसा सोचा था, मैंने उनकी केमिस्ट्री और इस पर रुख का आनंद लिया।

डॉन के रोल के लिए हो रही आलोचना पर रणवीर ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह अपनी अपकमिंग फिल्म डॉन 3 में डॉन की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने उस आलोचना पर बात की है, जो उन्हें काम शुरू करने से पहले ही मिल रही है। रणवीर, जिन्हें हाल ही में रेड सी फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित किया गया था, को फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित डॉन फेंचाइजी में बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान द्वारा निभाई गई भूमिका के लिए ऑनलाइन आलोचना का सामना करना पड़ा, यह भूमिका मूल रूप से 1978 की फिल्म में दिग्गज मेगास्टार अमिताभ बच्चन द्वारा निभाई गई थी। डेडलाइन के हवाले से, रणवीर ने बैटन को आगे बढ़ाने के लिए मिली आलोचना को संबोधित करते हुए कहा, मैं डॉन को अपना बनाने और उसे अपनी स्पिन, अपनी व्याख्या देने की उम्मीद कर रहा हूं। यह हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा और सम्मानित फेंचाइजी में से एक की कमान सौंपे जाने का दिन है। इसका महत्व मुझ पर हावी नहीं हुआ है। जब घोषणा की गई, तो जैसी कि उम्मीद थी, यह अपने हिस्से के रूप में आई। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि जब उन्होंने सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित पात्रों में से एक, जेम्स बॉन्ड की भूमिका में कदम रखा तो डेनियल क्रेग को जो आलोचना मिली, उसके साथ उन्होंने समानताएं खींचीं।

ओटीटी पर धमाका करने को तैयार नीना गुप्ता और जैकी श्रॉफ

अभिनेत्री नीना गुप्ता की झोली में लगातार एक के बाद एक फिल्में आ रही हैं। उम्र के इस पड़ाव पर उनके पास काम की कमी नहीं है। बॉलीवुड फिल्मों से लेकर वेब सीरीज और ओटीटी फिल्मों में अभिनेत्री अपनी उपस्थिति दर्ज कराए हुए हैं। अब जल्द ही उनकी एक और फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देने जा रही है। इसमें उनकी जोड़ी अभिनेता जैकी श्रॉफ के साथ जमेगी। फिल्म का नाम है, मस्त में रहने का और दोनों की इस आगामी फिल्म का आज पोस्टर जारी हो गया है। जैकी श्रॉफ और नीना गुप्ता अभिनीत ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। बता दें कि जैकी श्रॉफ ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से आज इस फिल्म का पोस्टर साझा किया है। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, क्या आप एक लाइफटाइम यात्रा के लिए तैयार हैं? इसी के साथ फिल्म की रिलीज डेट की भी जानकारी दी गई है, जिसके मुताबिक ये फिल्म इसी महीने की आठ तारीख को रिलीज होगी। फिल्म का पोस्टर दिखने में काफी दिलचस्प है। नीना गुप्ता एक बैग कंधे पर टांगे और एक हाथ में थामे नजर आ रही हैं। उनके चेहरे पर हैरानीभरे हाव-भाव हैं। वहीं, जैकी श्रॉफ उन्हें दूर से देख रहे हैं। अभिनेता के इस पोस्ट पर यूजर्स की काफी दिलचस्प प्रतिक्रिया आ रही है। एक यूजर ने लिखा, वाह दादा! फिर कुछ कमाल करने आ रहे हो। एक अन्य यूजर ने लिखा, इस फिल्म का इंतजार है। वहीं कुछ यूजर्स फिल्म के लिए अग्रिम बधाई देते भी नजर आ रहे हैं। बता दें कि मस्त में रहने का फिल्म का निर्देशन विजय मौर्य ने किया है। वहीं, पायल अरोड़ा और विजय मौर्य ने मिलकर इसकी पटकथा लिखी है। इस फिल्म में अभिषेक चौहान, मोनिका पंवार, राखी सावंत और फैसल मलिक भी अहम रोल में नजर आने वाले हैं।

नोएडा कमिश्नर की सराहनीय पहल, झुग्गियों के बच्चे सम्मानित

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह अपराधियों और माफियाओं के लिए जहां लेडी सिंघम हैं तो उनके मन में दयाभाव भी बेहद कूट-कूटकर भरा हुआ है। नोएडा की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह की पहल पर नोएडा पुलिस ने एक बेहद ही सराहनीय और बड़ा काम किया है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह की अध्यक्षता में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान नोएडा और ग्रेटर नोएडा के स्लम एरिया यानि झुग्गी बस्तियों में रहने वाले गरीब बच्चों को सम्मानित किया गया।

सेक्टर-108 में स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय के सभागार में पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह की अध्यक्षता में अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था आनन्द कुलकर्णी, अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय बबलू कुमार व पुलिस उपायुक्त महिला एवं बाल सुरक्षा सुश्री प्रीति यादव एवं अन्य पुलिस अधिकारी तथा विभिन्न सहयोगी संस्थाओं, विभिन्न विद्यालयों व मिशन प्रतिभाग मुहिम के अन्तर्गत शैक्षिक एवं कौशल विकास कार्यक्रम से जुडे स्लम एरिया के बच्चों को सम्मानित करने के उद्देश्य से मिशन शक्ति प्रतिभाग कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित हुआ।

इस दौरान माह अक्टूबर 2023 से आरम्भ हुए उपरोक्त मिशन शक्ति प्रतिभाग कार्यक्रम में नोएडा पुलिस द्वारा भिन्न-भिन्न संस्थाओं के साथ मिलकर कमिश्नरेट में महिलाओं और स्कूली बच्चों को कानून के प्रति जागरूक किया गया है। इस दौरान पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने कहा कि नोएडा कमिश्नरेट पुलिस की महिला एवं बाल सुरक्षा इकाई पूरी तरह से महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के प्रति कटिबद्ध है। महिला सुरक्षा के संबंध में उत्तर प्रदेश पुलिस के विभिन्न सशक्त प्रयासों, पहल तथा कार्य शैली से लोगों को अवगत कराने व आम जनमानस में महिला सुरक्षा की भावना जागृत करने के लिए विभिन्न विद्यालयों, पंचायतों, आवासीय सोसाइटी, छोटी बस्तियों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर सार्थक कार्यक्रम/डेमों आयोजित किये गए। उक्त कार्यक्रम में अधिक से अधिक महिला पुलिस बीट अधिकारियों को सम्मिलित करते हुए लोगों को महिला सुरक्षा के विभिन्न आयामों के प्रति जागरुक किया गया है। यह कार्यक्रम अधिकतर सेक्टर/ सोसाइटीज, 150 से अधिक शिक्षण संस्थानों, 55 झुग्गी झोपडी समूह, 60 फैक्ट्री व कारखानों तथा 25 मल्टी नेशनल कम्पनियों में चलाया गया, जिससे महिलाओं व बच्चों को जागरुक किया गया। कार्यक्रम का ध्येय जन सामान्य के भीतर पुलिस विभाग के प्रति सकारात्मकता लाना व सरकार के प्रति विश्वास जगाना है ताकि किसी भी विपत्ति के समय जनता पुलिस सहायता प्राप्त करने से ना हिचकिचाए।

इस दौरान बताया गया कि मिशन शक्ति के अन्तर्गत मिशन प्रतिभाग- कम्यूनिटी अवेयरनेंस से कम्यूनिटी इंगेजमेन्ट तक जिला गौतमबुद्धनगर के 15 बस्तियों में रहने वाले 12-18 आयु वर्ग के बच्चों के लिए सामुदायिक जागरूकता से सामुदायिक भागीदारी की ओर एक कदम शुरू किया गया था। यह एक सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम था जिसमें लगभग 5000 बच्चों और उनके माता-पिता को स्कूल के बाद की गतिविधियों में शामिल किया गया और उन्हें POCSO अधिनियम और जेजे अधिनियम के तहत पीड़ित होने या अपराध करने से रोका जा सकें। विभिन्न संस्थाओं जैसे-किरण नादर म्यूजियम ऑफ आर्ट, चैलेंजर्स ग्रुप, SADARG, नारी प्रगति सोशल फाउंडेशन, ड्रुस्स फाउंडेशन, बेनेट यूनिवर्सिटी और पुलिस कमिश्नरेट के साइबर, फायर और ट्रैफिक विभाग ने यह कार्यक्रम आयोजित करने में महिला एवं बाल सुरक्षा इकाई के साथ सहयोग किया। डाक्यूमैन्ट्री प्रदर्शन, आत्मरक्षा गुण, कला और शिल्प, नृत्य, सीपीआर और प्राथमिक चिकित्सा और पोक्सो और घरेलू हिंसा से संबंधित कृत्यों व अधिनियमों के बारे में बच्चों को जागरूकता प्रदान की। प्रत्येक समूह ने 16 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक 15 दिनों की अवधि में प्रत्येक स्थान पर 1-1 सत्र आयोजित किया। मिशन प्रतिभाग ने विभिन्न कौशल, कानूनी जागरूकता और प्रदर्शन कला में बच्चों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया। हमने बच्चों को सीपीआर तकनीक, अग्निशामक यंत्र, आत्मरक्षा तकनीक, लिपपन कला, कचरे से संसाधन आदि जैसी पूरी तरह से नई चीजों से परिचित कराया। बच्चे इन दिलचस्प कार्यों में खुद को शामिल करने के बाद सरकारी इकाइयों के संदेश को मजेदार तरीके से समझ पाये।

81 करोड़ लाभार्थियों को मिलता रहेगा मुफ्त राशन : कान्ता कर्दम

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा की वरिष्ठ नेत्री और राज्यसभा सांसद कान्ता कर्दम ने कहा कि पीएमजीकेएवाई दुनिया की सबसे बड़ी सामाजिक कल्याण योजनाओं है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को कोविड-19 महामारी के दौरान शुरू किया गया था। इस योजना के तहत देश भर के गरीब परिवारों को हर महीने 5 किलोग्राम मुफ्त खाद्यान्न दिया जा रहा है। 5 साल की अवधि में इस योजना पर 11.80 लाख करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस योजना से देश के 81.35 करोड़ गरीब परिवारों को लाभ मिलेगा।

इस योजना के तहत लाभार्थियों को देश में किसी भी उचित मूल्य की दुकान से निःशुल्क खाद्यान्न उठाने की अनुमति होगी। यह योजना ओएनओआरसी-वन नेशन वन राशन कार्ड पहल के तहत लागू की जाएगी। इस योजना को लेकर कई राजनीतिक दलों ने स्वागत किया है। वहीं कांता कर्दम ने कहा कि यह योजना गरीबों के लिए एक बड़ी राहत है।

ग्रेटर नोएडा में पेपरेक्स 2023 का उद्घाटन

भारत में कागज की खपत 30 मिलियन टन पहुंचने की उम्मीद

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पल्प, पेपर और संबद्ध उद्योगों पर दुनिया के सबसे बड़े पेपर शो पेपरेक्स 2023 का उद्घाटन करते हुए, उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई और निवेश प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने भारत के कागज उद्योग के तेजी से बढ़ते व्यापार पर प्रसन्नता जाहिर की है। मंत्री ने कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक व्यापार परिदृश्य में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए अत्याधुनिक, प्रभावी प्रौद्योगिकी को लागू करने की आवश्यकता है।

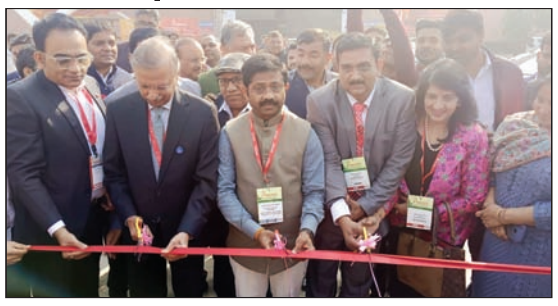

आपको बता दें कि 6-9 दिसंबर 2023 तक इंडिया एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा में हाइव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित पेपरेक्स 2023 में 24 देशों के 600 से अधिक प्रदर्शकों द्वारा हाई-टेक उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया जाएगा। उदघाटन अवसर पर हर्ष पति सिंघानिया, उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, जेके पेपर लिमिटेड ने कहा,'पेपरेक्स भारतीय पेपर मिल मालिकों के लिए आमने-सामने बातचीत करने के लिए सबसे अच्छी जगह है।

भारत में कागज की खपत में वार्षिक रूप से 6 से 7 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है और वित्त वर्ष 2026-27 तक 30 मिलियन टन तक पहुंचने की उम्मीद है, जो शिक्षा और साक्षरता पर जोर देने और संगठित खुदरा में वृद्धि से प्रेरित है। यह प्रदर्शनी थोक सौदों, संयुक्त उद्यम, वितरण समझौतों, ज्ञान साझा करने, प्रस्ताव और अवसरों को खोजने के लिए अनेक आपूर्तिकर्ताओं की संभावनाएं प्रदान करता है।

गगन साहनी, निदेशक, हाइव इंडिया, ने कहा कि पेपरेक्स 2023 वर्ल्ड ऑफ पेपर 2023 जैसे व्यापार मेलों के साथ सह-स्थित है, जो कागज, प्रिंटिंग, पैकेजिंग और प्रकाशन उद्योगों पर एक केंद्रित प्रदर्शनी है।

पेपरेक्स 2023 के उद्घाटन पर रावसाहेब पाटिल दानवे, रेलवे, कोयला और खदान मंत्री और अर्जुन राम मेघवाल, कानून और न्याय राज्य मंत्री सह संसदीय कार्य और संस्कृति राज्य मंत्री व पेपर उद्योग से जुड़े दिग्गज उपस्थित रहे।

व्यवस्था परिवर्तन के जनक थे डा. अंबेडकर : गणेश जाटव

नोएडा (चेतना मंच)। 6 दिसंबर 2023 को संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के महा परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर डॉ भीमराव अंबेडकर पुस्तकालय सेक्टर-37 नोएडा में दलित उत्थान सेवा समिति द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर समिति के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

समिति के संरक्षक गणेश जाटव ने बताया कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर न केवल संविधान निर्माता थे बल्कि व्यवस्था परिवर्तन के भी जनक थे। सैकड़ो वर्षों से जो गरीबों दलितों वंचितों को अधिकार प्राप्त नहीं थे। उन्होंने संविधान के माध्यम से सभी को उनका हक दिलाकर समाज की मुख्य धारा से जोड़ा। आज जो परिवर्तन दलित शोषितों वंचितों में दिखाई दे रहा है उसका पूरा श्रेय डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को ही जाता है।

इस मौके पर बालक राम प्रधान, प्रीतम सिंह, राजेंद्र जाटव, रोहित चौधरी, उदय सिंह, अजय गौतम, अनिल जाटव, सौरभ चौधरी, सुरेंद्र सिंह, सतपाल जाटव, सत्येंद्र सिरोही, प्रवेश जाटव, देवराज जाटव, विजय कुमार, पप्पू, गोपाल चौधरी, विवेक कुमार, अरुण कुमार, वीरेंद्र कुमार और छात्रों ने बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की।

डॉ. अंबेडकर को जिलाधिकारी ने दी श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट के सभागार में डीएम मनीष कुमार वर्मा ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र पर फूलमाला अर्पण करते हुए उनको श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए महापरिनिर्वाण दिवस मनाया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉक्टर नितिन मदान, डिप्टी कलेक्टर चारुल यादव तथा कलेक्ट्रेट के अन्य अधिकारी गण व कर्मचारियों ने भी डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर फूल माला अर्पण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

जिलाधिकारी ने बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें बाबा साहब के जीवन से शिक्षा लेनी चाहिए कि दृढ़ संकल्प से विपरीत परिस्थितियों में भी उच्च शिक्षा प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने शिक्षित होकर ही समाज में फैली अनेक कुरीतियों को समाप्त करने का कार्य किया है। इसीलिए सभी को शिक्षित बनना चाहिए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, अपर जिलाधिकारी प्रशासन, डिप्टी कलेक्टर चारुल यादव व अन्य अधिकारियों ने भी बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए अपने उद्गार व्यक्त किये।

वेटर को पटक-पटक कर उतारा मौत के घाट

गाजियाबाद । गाजियाबाद एक हत्याकांड का चौंका देने वाला खुलासा हुआ है। यहां पर एक वेटर की पटक पटक कर दर्दनाक तरीके से हत्या कर दी गई थी।

दरअसल, गाजियाबाद पुलिस ने लावारिश हालत में मिले एक ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा किया है। शादी समारोह में आए मेहमानों ने सिर्फ जूठी प्लेट टकराने के बाद पीट पीटकर वेटर की हत्या कर दी थी।

अंकुर विहार थाना क्षेत्र में स्थित सीजीएस वाटिका में काम करने वाले पंकज नामक वेटर को 17 नवंबर में आयोजित एक कार्यक्रम में वेटर का काम मिला था। पंकज अपना काम ठीक ढंग से कर रहा था तभी अचानक गलती से शादी समारोह में आए मेहमान ऋषभ एवं उसके साथियों से झूठी प्लेट टच हो गई जिसके बाद इन दोनों मेहमानों ने पंकज को पीटना शुरू कर दिया। झगड़ा इतना बढ़ गया कि पंकज को ऋषभ एवं उसके साथी जमीन पर गिराकर मारने लगे जिससे पंकज का सिर किसी ठोस वस्तु से टकरा गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

वेंडर्स की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा

नोएडा (चेतना मंच)। रेहड़ी-पटरी संचालन वेलफेयर एसोसिएशन ने राज्यपाल को संबोधित 15 सूत्रीय ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट तथा सहायक पुलिस आयुक्त जोन-। रजनीश वर्मा को सौंपा।

ज्ञापन में मांग की गई कि नोएडा में जितने भी वेंडर जोन में वेंडर को प्लेटफार्म आवंटित किये गये हैं। उनकी सूची संबंधित पुलिस चौकियों को दी जाए। जिससे अवैध रूप से लोग वेंडर जोन में काबिज न हो सकें। वेंडर जोन की वीडियाग्राफी कराई जाए। वेंडर के साथ मारपीट की पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं करती है। अक्सर पुलिस यह कहकर पल्ला झाड़ लेती है कि यह प्राधिकरण का मामला है।

एसोसिएशन के लोगों को सभी वेंडर्स की सूची प्रदान की जाए।

वेंडर्स का सत्यापन करने के लिए स्थानीय पुलिस का सहयोग लिया जाए।

इस मौके पर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्याम किशोर गुप्ता, महासचिव अपर्णा शर्मा, जिलाध्यक्ष मोहम्मद कलाम, नगर अध्यक्ष कैलाश चौधरी, सचिव छत्रपाल सिंह समेत कई पदाधिकारी सदस्य मौजूद थे।

इसी माह प्राधिकरण कराएगा डॉग शो का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण दिसंबर माह में डॉग शो आयोजित करने जा रहा है। इसके लिए सेक्टर-137 स्थित डॉग पार्क में उद्यान विभाग के महाप्रबंधक ने अपने मातहत अधिकारियों को डॉग स्टेज-शो समेत अन्य निर्माण शीघ्र कराने के निर्देश दिये हैं।

आज नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डा. लोकेश एम ने मातहत अधिकारियों के साथ सेक्टर-137 में करीब 3 एकड़ में बने डॉग पार्क का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मातहत अधिकारियों को डॉग शो के लिए स्टेज बनवाने के निर्देश दिए। वहीं पार्क में मौजूद वाटर बॉडी को भरने के अलावा कुत्तों के खेलने के लिए विभिन्न प्रकार के उपकरण व हर्डल कोर्स बनाने के आदेश दिए।

उद्यान विभाग के महाप्रबंधक ने कुत्तों के पीने के लिए पेयजल की व्यवस्था करने, कुत्तों की अन्य सुविधाओं का परिचालन व अनुरक्षण करने के भी निर्देश दिए गए।

इस दौरान डॉग पार्क की चारदीवारी को विकसित करने तथा थीम पेंटिंग करने, डॉग पार्क में आने वाले कुत्तों के मालिकों के वाहनों के लिए भी पार्किंग व्यवस्था करने, कुत्तों के पेजयल को फिल्टर करने की व्यवस्था समेत अन्य कार्य करने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक के अलावा, उद्यान विभाग के उपनिदेशक, सहायक निदेशक, विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक समेत कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।